सीएम की कुर्सी पर बैठते ही कावेरी.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार.. 11

वर्ष - 02, अंक - 55 | गाजियाबाद / शुक्रवार 29 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को मौसम ने अचानक बड़ा बदलाव लिया और दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद में झमाझम बारिश दर्ज की गई। तेज हवाओं और काले बादलों के बीच हुई बारिश से पूरे क्षेत्र में मौसम सुहावना हो गया। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है। तेज हवाओं के साथ कई इलाकों में बादल छाए रहे और रुक-रुककर बारिश होती रही। बारिश के चलते सड़कों पर गाड़ियों जाम लगा रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले घंटों में मौसम और अधिक सक्रिय हो सकता है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ स्थानों पर हवाओं की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक थी।

मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के कारण देखा जा रहा है, जिसका असर दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, कई और इलाकों में तेज बारिश और आंधी-तूफान की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि तेज हवाओं से पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

कई राज्यों में मौसम की करवट का पूवार्नुमान

बता दें कि हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों में गुरुवार को मौसम में अचानक बदलाव छाया। दरअसल, हिमालय क्षेत्र में उठे पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना होने का पूवार्नुमान मौसम विभाग की ओर से जारी किया गया था। वहीं, कई स्थानों पर ओले भी गिरने का भी अंदेशा जताया गया था। शाम होते-होते ही मौसम में परिवर्तन देखा गया।

त्विषा शर्मा की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

सीबीआई की लंबी पूछताछ के बाद कार्रवाई

भोपाल, एजेंसी। राजधानी भोपाल के हाईप्रोफाइल त्विषा शर्मा केस में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले में सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से पहले उनसे करीब सात घंटे तक लगातार पूछताछ की गई।

सूत्रों के अनुसार मंगलवार और बुधवार को भी सीबीआई ने उनसे कई घंटों तक पूछताछ की थी, जिसके बाद गुरुवार को गिरफ्तारी की कार्रवाई को अंतिम रूप दिया गया। गुरुवार सुबह नई दिल्ली से सीबीआई की महिला अधिकारियों की विशेष टीम भोपाल पहुंची और इसके बाद कार्रवाई तेज कर दी गई।

गिरफ्तारी से पहले गिरिबाला सिंह को मेडिकल जांच के लिए

भोपाल एम्स ले जाया जा रहा है। सीबीआई ने उनके आवास बागमुगालिया एक्सटेंशन क्षेत्र में सुरक्षा घेरा मजबूत करते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया था।

यह कार्रवाई मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के एक दिन बाद की गई है। अदालत ने 17 पन्नों के आदेश में जमानत को निरस्त कर मामले को गंभीर माना था।

गौरतलब है कि त्विषा शर्मा की 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनकी शादी दिसंबर 2025 में समर्थ सिंह से हुई थी। घटना के बाद मामला गंभीर हो गया और जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान बयानों में विरोधाभास और मेडिकल रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। रिपोर्ट में मौत से पहले त्विषा शर्मा के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने की बात सामने आई है।

वहीं सीबीआई की रिमांड पर चल रहे समर्थ सिंह को भी 29 मई को न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक में बड़ा उलटफेर, सिद्दरमैया का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा

डीके शिवकुमार बन सकते हैं नए मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद ही पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने साफ कर दिया है कि वे राज्यसभा नहीं जाएंगे और सक्रिय राजनीति में विधायक के रूप में ही बने रहेंगे।

80 वर्षीय सिद्धारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें उन्हें राज्यसभा भेजने की बात कही गई थी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में कोई रुचि नहीं है और वे राज्य की राजनीति में ही सक्रिय रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व ने डीके शिवकुमार को नए मुख्यमंत्री

के तौर पर आगे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिस पर सिद्धारमैया ने भी सहमति जताई है।

पार्टी के भीतर पिछले लंबे समय से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर खींचतान चल रही थी, लेकिन अब हालात बदलते नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी और सिद्धारमैया के बीच हुई हालिया बातचीत के बाद पार्टी ने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए यह रणनीतिक फैसला लिया है।

कांग्रेस का मानना है कि आने वाले 2028 विधानसभा और 2029 लोकसभा चुनावों के मद्देनजर यह निर्णय राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

ट्रंप ने ओमान को दी उड़ाने की धमकी

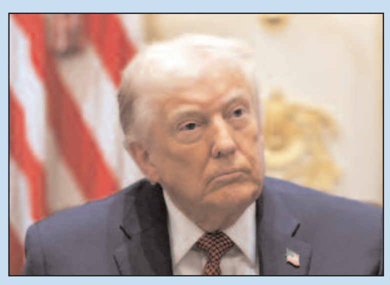

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब ओमान को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। ट्रंप का ये बयान तब आया जब ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से फीस वसूलने के लिए ओमान के साथ मिलकर एक सिस्टम तैयार करने पर बातचीत कर रहा है।

अमन की दुआओं के साथ अदा हुई नमाज, भाईचारे के रंग में रंगा यूपी

लखनऊ, एजेंसी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार गुरुवार को पूरे उत्तर प्रदेश में अकीदत, उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। राजधानी लखनऊ सहित विभिन्न जिलों की मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों लोगों ने नमाज अदा कर मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी। धर्मगुरुओं ने अपने संदेश में त्याग, इंसानियत और आपसी सौहार्द पर जोर दिया। इसके बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ और घरों में पारंपरिक व्यंजन तैयार किए गए।

त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रदेशभर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मस्जिदों और ईदगाहों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा कई स्थानों पर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई।

सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे पाँच और न्यायाधीश

- पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू सहित पाँच नामों की भेजी सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए पांच नामों की अनुशंसा भेजी है। कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना के नामों का प्रस्ताव दिया है। यह सिफारिशें 22 और 27 मई को आयोजित कॉलेजियम की बैठकों के दौरान की गईं।

पंजाब में निजी बस उद्योग पर संकट गहराया

किराया बढ़ाने को लेकर ऑपरेटरों ने दिया सरकार को अल्टीमेटम

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में निजी बस उद्योग गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बढ़ती परिचालन लागत, सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा और लगातार घटती सवारियों के कारण निजी बस ऑपरेटरों ने सरकार से तत्काल राहत की मांग की है। पंजाब मोटर यूनियन प्राइवेट बस ऑपरेटर पंजाब ने स्पष्ट किया है कि वह जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने के पक्ष में नहीं हैं, इसलिए किराया नहीं बढ़ाया जाएगा, लेकिन सरकार को टैक्स और अन्य शुल्कों में राहत देनी होगी।

यूनियन पदाधिकारियों ने ट्रांसपोर्ट विभाग के सचिव वरुण रूजम से मुलाकात कर उद्योग की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही मुख्यमंत्री

भगवंत मान और परिवहन मंत्री के साथ जल्द बैठक कराने की मांग की गई, ताकि निजी बस उद्योग को बचाने के लिए ठोस समाधान निकाला जा सके।

यूनियन के अनुसार पंजाब में करीब 2,500 बड़ी निजी बसें और 5,000 मिनी बसें संचालित हो रही हैं। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही का बड़ा हिस्सा इन्हीं बसों पर निर्भर है। इस उद्योग से सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 87,500 लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है।

पंजाब मोटर यूनियन ने सरकार से मोटर व्हीकल टैक्स में छूट, अड्डा फीस में कमी और निजी बस उद्योग के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग की है।

40 फीसदी तक बढ़ी परिचालन लागत

यूनियन का कहना है कि निजी बस ऑपरेटर हर महीने करीब आठ करोड़ रुपये मोटर व्हीकल टैक्स के रूप में सरकार को जमा कराते हैं। वहीं डीजल, टायर, बीमा, स्पेयर पाट्‌र्स, डीईएफ, लुब्रिकेंट और टोल टैक्स की लागत पिछले कुछ वर्षों में 35 से 40 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। इसके बावजूद बस किराया पुराने ढांचे पर ही चल रहा है, जिससे संचालन घाटे का सौदा बन गया है।

भाजपा का बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, दिल्ली, पंजाब हरियाणा और त्रिपुरा को मिले नए प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। पार्टी नेतृत्व ने आगामी चुनावों और संगठनात्मक विस्तार को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है।

भाजपा ने पूर्वी दिल्ली से सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब, डा. अर्चना गुप्ता को हरियाणा और अभिषेक देबरॉय को त्रिपुरा भाजपा की कमान सौंपी गई है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में राज्यमंत्री के रूप में कार्यरत हर्ष मल्होत्रा को अब भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी दी गई है। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि उनके अनुभव से राजधानी में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

भाजपा ने हरियाणा में बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह मोहन लाल बडौली का स्थान लेंगी। हरियाणा भाजपा के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी महिला को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पानीपत निवासी डॉ. अर्चना गुप्ता पेशे से रेडियोलॉजिस्ट हैं और लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वह प्रदेश महामंत्री के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। पार्टी ने उनके संगठनात्मक अनुभव और कार्यशैली पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने प्रदेश नेतृत्व में बदलाव करते हुए सुनील जाखड़ की जगह वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है।

बरनाला के तल्लेवाल गांव से संबंध रखने वाले केवल सिंह ढिल्लों पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। वह 2007 और 2012 में कांग्रेस के टिकट पर बरनाला से विधायक रह चुके हैं। जून 2022 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा ने मालवा क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने और किसान व कारोबारी वर्ग तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में भी संगठनात्मक बदलाव करते हुए अभिषेक देबरॉय को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

चलती स्कॉर्पियो बनी आग का गोला, कांग्रेस नेता समेत परिवार के 4 लोगों की जलकर मौत

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। बोराडा थाना क्षेत्र में चलती एसयूवी में अचानक आग लगने से वाहन कुछ ही मिनटों में आग का गोला बन गया। हादसे में पूर्व सरपंच एवं जिला परिषद सदस्य रामसिंह चौधरी, उनकी मां पूसी देवी, पत्नी और भतीजी महिमा की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे काशीर और बोराडा गांव के बीच हुआ। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है,

हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि पूसी देवी ने सुबह सीने में दर्द की शिकायत की थी। उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए रामसिंह चौधरी अपनी एसयूवी से निकले थे। उनके साथ पत्नी और भतीजी भी वाहन में सवार थीं। रास्ते में अचानक गाड़ी में आग लग गई और देखते ही देखते पूरा वाहन आग की लपटों में घिर गया। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि जब तक आग लगने का वास्तविक कारण सामने नहीं आ जाता, तब तक सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच जारी रहेगी।

सीबीएसई मूल्यांकन विवाद पर सरकार सख्त, जांच के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम और ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली (OSM) में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई उच्चस्तरीय बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पीएमओ अधिकारी और सीबीएसई प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली की खामियों पर चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि बड़े स्तर पर लागू डिजिटल मूल्यांकन में कुछ विसंगतियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी। इस साल करीब 17

लाख छात्रों की 98 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन डिजिटल प्रणाली से किया गया था। परिणाम के बाद कई छात्रों ने स्कैन कॉपी, अंकों की गणना और अधूरे मूल्यांकन पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने मामले में एसआईटी और न्यायिक जांच की मांग की है, जबकि सरकार ने कहा है कि छात्रों के हित में सुधार और समीक्षा की जाएगी। फिलहाल किसी जांच की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सरकार के रुख से बड़े फैसलों के संकेत मिल रहे हैं।

विश्व के लिए मार्गदर्शक है भारत का लोकतंत्र : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत का लोकतंत्र संपूर्ण विश्व के लिए एक मार्गदर्शक है। संवाद, सहभागिता और संवैधानिक मूल्यों की समृद्ध परंपराओं के कारण भारत वैश्विक स्तर पर अन्य देशों को प्रेरित कर रहा है।

नई दिल्ली स्थित दिल्ली लेजिसलेटिव असेंबली के ऐतिहासिक कक्ष में केंद्रीय विधान सभा (1924-1930) की कार्यवाही के 89 खंडों और त्रैमासिक पत्रिका विधान चेतना के प्रथम अंक के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की वास्तविक शक्ति जागरूक संवाद, तथ्यपरक चर्चा और सक्रिय जनभागीदारी में निहित होती है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों में लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने के लिए भारत की संसदीय विरासत का संरक्षण और उसका गहन अध्ययन बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली विधान सभा का यह ऐतिहासिक भवन भारत की लोकतांत्रिक चेतना, संसदीय परंपराओं और स्वतंत्रता संग्राम का जीवंत प्रतीक है। यह भवन देश के संसदीय लोकतंत्र के प्रारंभिक दौर का साक्षी रहा है, जहां स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नेताओं ने प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकारों और स्वशासन के लिए अपनी संवैधानिक मांगों को मुखरता से रखा था।

केंद्रीय विधान सभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए ओम बिरला ने कहा कि उन्होंने संसदीय शिष्टाचार, निष्पक्षता और अध्यक्ष पद की गरिमा की मजबूत नींव रखी। कठिन औपनिवेशिक परिस्थितियों और भारी दबाव के बावजूद उन्होंने विधायी संस्था की स्वायत्तता और प्रतिष्ठा को बनाए रखा। उनका योगदान आज भी जनप्रतिनिधियों और पीठासीन अधिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए तर्क, गंभीरता और तथ्यों पर आधारित सार्थक चर्चा अनिवार्य है। भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति का मूल आधार सदैव चर्चा, आम सहमति और गहन विचार विमर्श रहा है। संसद और राज्यों की विधान सभाओं को जनता की आकांक्षाओं का सर्वोच्च मंच बने रहना चाहिए।

उन्होंने शासन प्रशासन और विधायी कार्यों में आधुनिक तकनीक की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंकीयकरण, ई-विधानसभा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती तकनीकें नीति निर्माण और विधायी शोध को अधिक पारदर्शी, कुशल और सर्वसुलभ बना रही हैं।

इस अवसर पर ओम बिरला ने केंद्रीय विधान सभा की कार्यवाही के 89 खंडों और विधान-चेतना पत्रिका के प्रथम अंक का औपचारिक विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक प्रकाशन आने वाली पीढ़ियों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय मयार्दाओं का मार्गदर्शक सिद्ध होगा। उन्होंने दिल्ली विधान सभा द्वारा दुर्लभ बहसों और ऐतिहासिक कार्यवाहियों के व्यवस्थित प्रकाशन की सराहना करते हुए इसे भारत के विधायी इतिहास को सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

उन्होंने विधान-चेतना को संसदीय अध्ययन, विधायी शोध और लोकतांत्रिक जागरूकता को सशक्त करने वाला महत्वपूर्ण बौद्धिक प्रयास बताते हुए कहा कि इससे जनप्रतिनिधियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी और लोकतांत्रिक विमर्श को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि शोधकताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुविधा के लिए केंद्रीय विधान सभा की ऐतिहासिक कार्यवाही और 'विधान-चेतना' पत्रिका को अंकीय प्रारूप में भी व्यापक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, दिल्ली विधान सभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री परवेश साहिब सिंह तथा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद-गौ-रक्षा के लिए वोट करे, पशु कहने वाली सरकार हटाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनता से गाय को पशु कहने वाली सरकारों को हटाकर माता कहने वाली सरकार लाने का आह्वान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौ-रक्षा की बातें सिर्फ मंचों और वक्तव्यों तक सीमित हैं, जबकि धरातल पर गायों की स्थिति दयनीय है। आश्रय स्थलों में गायों की हालत खराब है और गौ-तस्करों पर अंकुश नहीं लग पाया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट किया कि उन्हें भाजपा से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वे गायों के मुद्दे पर सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा, हमारा वोट चाहिए, तब गाय को माता कहकर आना पड़ेगा। पहले बांदा में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को गौ-रक्षा में फेल बताया था। उनका आरोप था कि योगी, बुलडोजर का इस्तेमाल कर शासन कर रहे हैं, जबकि उनसे गौ-रक्षा पर सबसे अधिक उम्मीदें थीं। जनसंख्या वृद्धि पर उन्होंने नेताओं को अक्षम बताकर कहा कि वे काम ढूंढने की बजाय इस भार मान रहे हैं, जबकि पर्याप्त काम होने पर जनसंख्या संपत्ति हो सकती है।

मधुबनी स्टेशन पर एक्सप्रेस कोच में भीषण आग, कोई हताहत नहीं, जांच के आदेश

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को जयनगर-उधना एक्सप्रेस के जनरल कोच में भीषण आग लग गई, जिससे वह डिब्बा पूरी तरह जल गया। हालांकि, गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जिस कोच में आग लगी, वह मरम्मत के काम के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर खड़ा था। अचानक उसमें से घना काला धुआं और लपटें निकलने लगीं, और आग तेजी से पूरे जनरल डिब्बे में फैल गई। घटना के समय ट्रेन में कोई यात्री सवार नहीं था, क्योंकि यह पिछले दो दिनों से स्टेशन पर मरम्मत के लिए खड़ा था। इस वजह से किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने आग देखते ही तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और उसे अन्य कोचों तक फैलने से रोका। इस घटना से स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही, समस्तीपुर रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा विशेष ट्रेन से मधुबनी पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और रेलवे अधिकारियों से आग लगने के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। डीआरएम ने आग लगने के सही कारण की जांच करने और सुरक्षा उपायों में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच समिति गठित करने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों को शुरुआती तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है, हालांकि वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई को भी ससाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन के एक जनरल कोच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी।

कनाडा में गुजराती छात्रा की निर्मम हत्या : नायग्रा फॉल्स में 23 वर्षीय विधि मेघा पर चाकू से हमला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात से उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के सपने लेकर कनाडा गई एक और भारतीय बेटी की दर्दनाक मौत ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। गुजरात के आनंद जिले के बोरसद की रहने वाली 23 वर्षीय विधि मेघा की कनाडा के नायग्रा फॉल्स इलाके में अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, विधि पिछले चार वर्षों से कनाडा में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी भी कर रही थी। बताया जा रहा है कि 15 मई को वह अपने निवास स्थान से निकली थी, जिसके बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। बाद में उसकी हत्या की खबर सामने आने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हृदयविदारक घटना के बाद कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय में भी आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने छात्राओं और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। फिलहाल कनाडाई पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। वहीं, विधि के परिजनों ने भारत सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि उसकी पार्थिव देह को जल्द से जल्द भारत लाने में सहायता की जाए, ताकि वतन में अंतिम संस्कार किया जा सके। एक होनहार और सपनों से भरी युवा बेटी की असमय मौत से बोरसद में मातम पसरा हुआ है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में गहरा शोक व्याप्त है।

भड़काऊ टिप्पणी के मामले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शिकायत

-गुजरातियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के भवानीपुर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनाव प्रचार के दौरान बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुजराती समुदाय को लेकर कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली टिप्पणी की थी। यह शिकायत अर्णब कांति दास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है कि टीएमसी सांसद का यह बयान देश की राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक है। दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि बांग्ला विरोधी गुजराती गैंग और उनके चमचे मिलकर अगर दस जनम भी ले लें, तब भी उनके डायमंड हार्बर मॉडल का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उन्होंने पूरी भारत सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर हिम्मत है तो फलता से चुनाव लड़कर दिखाओ। इस बयान पर आपत्ति जताते हुए शिकायतकर्ता ने तर्क दिया है कि यदि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और होते और तृणमूल कांग्रेस जीत जाती, तो इस सोशल मीडिया पोस्ट से उग्र होकर पार्टी कार्यकर्ता बंगाल में रह रहे गुजराती समुदाय के खिलाफ भारी हिंसा कर सकते थे। शिकायत में कहा गया है कि गैंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर सांसद ने भारत की विविधता को नुकसान पहुंचाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, राजनीतिक मुकाबला सिर्फ राजनीति तक ही सीमित रहना चाहिए, लेकिन एक ऐसी संवैधानिक संस्था को बीच में घसीटना जिसे देश के राष्ट्रपति ने चुना है और विरोधी पार्टी के खिलाफ जहर उगलने के बहाने सीधे देश तथा सरकार को चुनौती दे देना, संविधान के खिलाफ खुले विद्रोह जैसा है।

सीएम सम्राट चौधरी का अजीबो-गरीब स्केच वायरल, मजनू भाई की याद दिलाई

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हाल ही में एक बिल्डर द्वारा भेंट किया गया पेंसिल स्केच सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यह चित्र तब चर्चा का विषय बन गया, जब पटना के बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपनी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में से एक में संजीव, जो पल्लव राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी हैं, मुख्यमंत्री को यह चित्र भेंट करते हुए दिखाई दे रहे थे।

जैसे ही तस्वीर सामने आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत स्केच की तुलना बॉलीवुड फिल्म वेलकम के प्रसिद्ध किरदार मजनू भाई की बनाई गई अजीबो-गरीब पेंटिंग से करनी शुरू कर दी। लोगों ने पाया कि यह चित्र मुख्यमंत्री चौधरी से जरा भी मिलता-जुलता नहीं था, जिसके चलते इसकी कलात्मकता पर सवाल उठने लगे। भारतीय युवा कांग्रेस ने भी इस पर तंज कसते हुए पूछा, अंदाजा लगाओ कौन?

एक यूजर ने लिखा, यह पेंटिंग तब बिल्कुल नहीं कही जा सकती। वहीं, कुछ अन्य यूजर्स ने मुख्यमंत्री चौधरी के सहज स्वभाव की सराहना की कि उन्होंने इस विचित्र कलाकृति को भी इतनी विनम्रता से स्वीकार कर लिया। हालांकि, नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का सिलसिला बढ़ने के बाद, बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट से स्केच वाली विशेष तस्वीर हटा दी और कमेंट सेक्शन को भी बंद किया। यह घटना दर्शाती है कि कैसे एक सामान्य सी भेंट भी डिजिटल युग में रातोंरात सुर्खियां बटोर सकती है और व्यापक जनचर्चा का विषय बन सकती है।

सीएम की कुर्सी पर बैठते ही कावेरी जल से बढ़ी विजय की टेंशन

-पानी को लेकर तमिलनाडु-कर्नाटक में एक सदी से चल रहा है विवाद

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत हासिल कर सीएम की कुर्सी पर बैठे सी जोसेफ विजय लगातार चर्चा में हैं। उनके सामने राज्य से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियां सिर उठाए खड़ी है। इनमें सबसे अहम है नदी का पानी और उस पर बांध का प्रोजेक्ट है, जो विजय के सब्र की पहली अग्निपरीक्षा ले रहा है। नदी का नाम है कावेरी, जिसमें बहने वाला पानी तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दो बड़े राज्यों के बीच एक सदी से भी ज्यादा समय से विवाद की वजह बना है।

विजय के सीएम बनने के साथ ही यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। कर्नाटक सरकार की तरफ से मेकेदातु बांध बनाने के ऐलान ने नदी के विवाद को फिर से गहरा दिया। कावेरी नदी को दक्षिण भारत की जीवनरेखा माना जाता है। इसके पानी का बंटवारा केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक संवेदनशील, राजनीतिक और भावनात्मक जंग बन चुका है। यह विवाद हर साल गहराता जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया सालों में यह विवाद की सबसे बड़ी वजह बनकर उभरा है मेकेदातु बांध प्रोजेक्ट। तमिलनाडु की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिव्यू याचिका खारिज हो गई है। विजय पर राजनीतिक दबाव भी बनने लगा है। कावेरी नदी मुख्य रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु में बहती है। यह कर्नाटक के कोडागु जिले में वेस्टर्न घाट की ब्रह्मगिरी पहाड़ियों में स्थित तालकावेरी से निकलती है। यह कर्नाटक में इसका ओरिजिन पॉइंट केरल की सीमा के पास है। फिर यह तमिलनाडु के बड़े हिस्से को कवर करते हुए केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से गुजरते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इस नदी का करीब 54 फीसदी बेसिन क्षेत्र तमिलनाडु में और करीब 41 फीसदी कर्नाटक में आता है।

इस नदी के पानी को लेकर विवाद की जड़ें आज से एक सदी से भी ज्यादा पुरानी हैं। साल 1892 और 1924 में समझौते हो चुके हैं। ब्रिटिश काल में तत्कालीन मैसूर रियासत और मद्रास प्रेसिडेंसी के बीच पानी के बंटवारे को लेकर दो समझौते हुए थे। तमिलनाडु का तर्क है कि इन समझौतों के तहत पानी पर उसका ऐतिहासिक अधिकार है। वहीं कर्नाटक का रुख अलग है। आजादी के बाद कर्नाटक ने इन समझौतों को पुराना और औपनिवेशिक बताते हुए खारिज कर दिया। कर्नाटक का कहना है कि नदी का उद्गम स्थल उसके यहां है, इसलिए अपनी खेती और आबादी की जरूरतों को पूरा करने का पहला हक उसका है।

सुप्रीम कोर्ट के फॉर्मूले के मुताबिक जब मानसून सामान्य रहता है, तब पानी का संकट नहीं होता, लेकिन समस्या तब खड़ी होती है जब कम बारिश होती है। कर्नाटक के जलाशयों में पानी जब कम होता है तो वह तमिलनाडु को उसके हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जताता है। दूसरी ओर तमिलनाडु की 'कुरुवई' और 'थलाडी' यानी धान की फसलें पूरी तरह से कावेरी के पानी पर निर्भर हैं। तमिलनाडु पानी ना मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, जिससे दोनों राज्यों में विरोध प्रदर्शन और तनाव की स्थिति पैदा हो जाती है।

मेकेदातु का शाब्दिक अर्थ होता है- बकरी की छलांग। यह कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक गहरी खाई जैसा है, जहां कावेरी नदी अर्कावती नदी के साथ मिलती है। कर्नाटक सरकार यहां करीब 9000 करोड़ रुपए की लागत से एक 'संतुलन जलाशय' बनाना चाहती है, जिसकी क्षमता करीब 67 टीएमसी पानी स्टोर करने की होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बेंगलुरु शहर और उसके आसपास के जिलों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना है। इसके अलावा यहां से 400 मेगावाट जलविद्युत पैदा करने की भी योजना है।

ममता की योजना में निकला महाघोटाला, 30 लाख फर्जी मिले लाभार्थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर एक बहुत बड़े फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। राज्य सरकार की आंतरिक पड़ताल और समीक्षा के बाद यह बात सामने आई है कि करीब 30 लाख अयोग्य और फर्जी लोग इस योजना के तहत हर महीने मिलने वाले डायरेक्ट कैश बेनिफिट (डीबीटी) का गलत तरीके से फायदा उठा रहे थे। अब तक राज्य की करीब 2.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में इस योजना के जरिए सीधे नकद राशि ट्रांसफर की जा रही थी, लेकिन अब इस पूरी सूची को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस बड़े प्रशासनिक कदम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नबन्ना में अन्नपूर्णा योजना के लिए नया आवेदन फॉर्म लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का शुरुआती इरादा लक्ष्मी भंडार योजना के लाभार्थियों की सूची को पूरी तरह सत्यापित करना और फिर महिलाओं को नई अन्नपूर्णा योजना के तहत वित्तीय लाभ देना शुरू करना था। लेकिन इस प्रक्रिया के बीच सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि लाखों अयोग्य महिलाओं के नाम इस सूची में जुड़े हुए हैं। प्राथमिक जांच के अनुसार, यह आंकड़ा 30 लाख के आसपास हो सकता है, जिसकी पूरी और सटीक तस्वीर लाभार्थियों द्वारा नए फॉर्म भरकर जमा करने के बाद साफ हो जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले राज्य में लाभार्थियों की जमीनी हकीकत जानने के लिए एक डोर-टू-डोर (घर-घर जाकर) सर्वे शुरू किया गया था। इस सर्वे के जो शुरुआती नतीजे सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि कई ऐसे लोग भी योजना का लाभ उठा रहे थे जो या तो राज्य से बाहर जा चुके हैं, या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, या फिर जिनके नाम डुप्लीकेट वोटर के रूप में एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हमेशा के लिए हटा दिए गए थे। इसके अलावा, इस सूची में कई ऐसे नाम भी शामिल पाए गए जो अस्तित्व में ही नहीं हैं या जो गैर-भारतीय नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने माना कि यह सब पिछली कमियों और आवेदकों के दस्तावेजों के सही तरीके से सत्यापन (वेरिफिकेशन) न होने के कारण हुआ। इस वित्तीय नुकसान को रोकने और वास्तविक लाभार्थियों को हक दिलाने के लिए अब सरकार ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत लाभार्थियों को 12 पन्नों का एक नया फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरना होगा। इस फॉर्म में परिवार की पूरी जानकारी, राशन कार्ड, गाड़ी, जमीन, मकान जैसी संपत्तियों का ब्योरा और परिवार में किसी सदस्य के सरकारी नौकरी में होने या न होने की स्पष्ट घोषणा करनी होगी। जो लोग ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर कार्यालय जाने में असमर्थ हैं, उनके लिए प्रशासन अगले एक महीने तक घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की विशेष सेवा शुरू करेगा। फॉर्म भरने और जमा करने की यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने तक चलेगी। सरकार ने यह साफ किया है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे हैं, लेकिन उन्होंने ट्रिब्यूनल में अपील की है या सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, उनका लाभ नहीं रोका जाएगा। साथ ही, जब तक सभी योग्य लाभार्थियों को अन्नपूर्णा योजना में पूरी तरह स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता, तब तक लक्ष्मी भंडार योजना सुचारू रूप से चलती रहेगी।

मुस्लिम समुदाय ने ईद पर गाय को राष्ट्रमाता बनाने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर मुस्लिम समुदाय ने आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया। नमाज अदा करने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं ने महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखी, जिसमें गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग प्रमुख रही।

समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद देकर देशवासियों से आपसी एकता को इतना मजबूत करने का आह्वान किया ताकि कोई भी सांप्रदायिक ताकत तोड़ न सके। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए यदि कोई कुर्बानी देनी पड़ी, तब वे उसके लिए तैयार हैं। सपा नेता मेहरोत्रा ने

मोदी सरकार से गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की और भाजपा पर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल मुद्दे खड़े करने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य द्वारा घोषित धर्मयुद्ध का समर्थन करने की भी बात कही।

वहीं, सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने भी गाय को राष्ट्रीय दर्जा देने की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने पहले ही गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की बात कही है और उन्हें किसी के बयान (अविमुक्तेश्वरानंद) में पड़ने की जरूरत नहीं है। ईदगाह में नमाज के बाद देश में अमन-शांति, भीषण गर्मी से निजात और जनगणना में सक्रिय भागीदारी के लिए भी दुआ मांगी गई। मौलाना खालिद राशिद फिरंगी महली ने बताया कि बड़ी संख्या में मुसलमानों ने अच्छे माहौल में नमाज अदा की। उन्होंने जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। मौलाना ने स्पष्ट किया कि कुर्बानी केवल उन्हीं जानवरों की की जाए जिन पर कोई कानूनी बंदिश नहीं है, ताकि त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जा सके।

स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत का डंका: अमेरिका-चीन के क्लब में शामिल

- स्वदेशी हाइड्रोजन बैलून तकनीक से दुनिया में बढ़ा दबदबा
- सस्ते इंटरनेट और सटीक आपदा प्रबंधन का नया दौर
- 25 किमी ऊंचाई तक पहुंचा 'विस्टा'

-लॉन्च हुआ पहला स्वदेशी स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अंतरिक्ष और नियर स्पेस तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निजी अंतरिक्ष कंपनी रेड बैलून एरोस्पेस ने देश का पहला स्वदेशी सुपर-प्रेशर स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इसके साथ ही भारत अमेरिका, फ्रांस, जापान और चीन जैसे चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास स्वदेशी हाइड्रोजन स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून क्षमता मौजूद है। वर्ष 2025 में परिचालन शुरू करने वाली रेड बैलून एरोस्पेस ने महज आठ महीनों में अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान को अंजाम देकर तेजी से विकसित होने वाली वैश्विक परियोजनाओं में जगह बना ली है। कंपनी का 'विस्टा' सुपर-प्रेशर प्लेटफॉर्म विजयवाड़ा के इंदिरा गांधी स्टेडियम से लॉन्च किया गया, जिसने पृथ्वी से करीब 25 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर कई तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए। इस मिशन में सात राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के पेलोड शामिल थे। इनमें जैविक प्रयोग प्रणाली, प्रणोदन तकनीक, ऑनबोर्ड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म, पृथ्वी अवलोकन सेंसर और नेविगेशन सत्यापन प्रणाली जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का परीक्षण किया गया। सभी प्रयोग सफल रहने से अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मानकों के अनुरूप भारत की तकनीकी क्षमता साबित हुई है। 'मिशन साना' दूरसंचार, आपदा प्रबंधन, पृथ्वी अवलोकन और निगरानी के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। विस्टा प्लेटफॉर्म ऊंचाई पर एक टावर की तरह काम करता है, जिससे उन इलाकों में भी नेटवर्क और निगरानी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं, जहां सामान्य संचार व्यवस्था कमजोर है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ सीवीएस किरण ने कहा कि विस्टा उनकी मुख्य प्लेटफॉर्म तकनीक है और आने वाले महीनों में इसकी क्षमताओं का और विस्तार किया जाएगा। वहीं, सीओओ सिरीश पल्लिकोंडा ने बताया कि एक ही मिशन के जरिए कई संगठनों और उद्योगों को सेवाएं देने से लागत कम होगी और नियर स्पेस तक पहुंच आसान बनेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, 20 से 50 किलोमीटर के बीच का समताप मंडल अब तक कम इस्तेमाल किया गया क्षेत्र रहा है। ऐसे

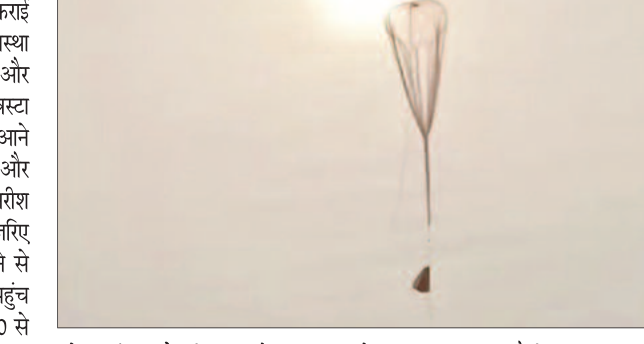

प्लेटफॉर्म उपग्रहों की तुलना में कम लागत में उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग, तेज तैनाती और आपदा प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम हैं।

12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के अभियान को लेकर जिला कार्यशाला आयोजित

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार) 12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मोहन नगर स्थित मॉडर्न कॉलेज में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कार्यशाला में आगामी 5 जून से 21 जून तक चलने वाले विशेष अभियान के माध्यम से जन-जन तक केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को पहुंचाने की विस्तृत रणनीति तैयार की गई। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा उन्हें सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

अभियान के अंतर्गत प्राकृतिक खेती कार्यशाला, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, जन कल्याण शिविर, विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम, मीडिया संवाद एवं प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त योग दिवस, विशेष जनसंपर्क अभियान, प्रगति पथ यात्रा, वृक्षारोपण अभियान एवं स्वच्छता अभियान भी सेक्टर एवं बूथ स्तर पर चलाए जाएंगे।

कार्यशाला में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के सफल 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अभियान के लिए महानगर संयोजक के रूप में राजन आर्य वाल्मीकि तथा सहसंयोजक के रूप में मेहताब त्यागी, राम त्यागी एवं दयानंद बंसल को जिम्मेदारी सौंपी गई।

ईद-उल-अजहा : शांतिपूर्ण माहौल में अदा हुई नमाज, अलर्ट मोड पर रही पुलिस, नगर निगम ने चाक चौबंद रखी सफाई व्यवस्था

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ईद-उल-अजहा की नमाज गुरुवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। नमाज को लेकर पुलिस के आला अधिकारी लगातार क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे। ईदगाह और संवेदनशील इलाकों में बड़े पैमाने पर पुलिस फोर्स तैनात रहा। साफ सफाई को लेकर नगर निगम की टीम कई दिन पहले से तैयारी में जुट गई थी और नगर निगम के अधिकारी निरंतर साफ सफाई की व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इसी कड़ी में राजकरन नैय्यर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात ने पुलिस बल के साथ संवेदनशील इलाकों का लगातार निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को अलर्ट रहने के आदेश दिए। वही ड्रोन कैमरे से क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही थी। उन्होंने नमाजियों को ईद-उल-अजहा की बधाई दी और बच्चों को चॉकलेट बाँटकर खुशी का इजहार किया। शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अदा करने के लिए सभी संवेदनशील इलाकों में पीस कमेटी मीटिंग का आयोजन किया जा रहा था और क्षेत्र में फ्लैग मार्च करते हुए लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने की अपील की जा रही थी। सभी को सख्त निर्देश दिए गए थे कि किसी भी स्थिति में लॉ एंड ऑर्डर नहीं बिगाड़ना चाहिए। कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाने पर खुद एक्शन नहीं लेते हुए पुलिस को सूचना देने की अपील की गई थी।

रितिक हत्याकांड में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हुए अखिलेश यादव, दी आर्थिक सहायता

लखनऊ में परिवार से मुलाकात कर जताई संवेदना, हर संभव सहयोग का दिया भरोसा

हापुड़ (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर में हुए चर्चित रितिक वाल्मीकि हत्याकांड के पीड़ित परिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

जानकारी के अनुसार 6 मई 2026 की रात ग्राम कल्याणपुर निवासी रितिक वाल्मीकि की तलवार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सरकार से किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं मिलने की बात कही थी।

इसी क्रम में समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पियूष बाबा वाल्मीकि ने पीड़ित परिवार की लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात कराई। मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने परिवार को सांत्वना देते हुए आर्थिक मदद प्रदान की तथा आश्वासन दिया कि समाजवादी पार्टी इस कठिन समय में परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

इस अवसर पर रोहित पारचा, कुनाल वाल्मीकि, सतीश वाल्मीकि एवं अमर वाल्मीकि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ईद-उल-अजहा हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाई गई

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)। ईद-उल-अजहा (बकरा ईद) का पर्व आज शहर और आसपास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास, अकीदत और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मदीना मस्जिद के अध्यक्ष साजिद अली एडवोकेट ने देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को ईद-उल-अजहा की दिली मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार कुबार्नी, इंसानियत, भाईचारे और आपसी प्रेम का संदेश देता है।

साजिद अली एडवोकेट ने कहा कि ईद-उल-अजहा हमें त्याग, सेवा और समाज में सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा देती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखें तथा समाज का माहौल खराब करने वाले तत्वों से सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि सभी लोग कानून व्यवस्था का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें ताकि त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके।

उन्होंने विशेष रूप से लोगों से कुबार्नी के दौरान साफ-सफाई एवं स्वच्छता का पूरा ध्यान रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कुबार्नी पर्दे में करें तथा सार्वजनिक स्थानों, सड़क, गली, पार्क अथवा खुले स्थानों पर कुबार्नी करने से बचें। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा निर्धारित स्थानों या अपने निजी परिसर का ही उपयोग करें और खून, अवशेष तथा कचरा खुले में न छोड़ें। कचरे को प्लास्टिक बैग में पैक कर जमीन में दबाएं अथवा नगर पालिका के निर्देशों के अनुसार उसका निस्तारण करें।

साजिद अली एडवोकेट ने लोगों से यह भी अपील की कि कुबार्नी से संबंधित किसी भी प्रकार की फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर साझा न करें, ताकि समाज में किसी प्रकार की गलतफहमी या तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें, किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने दुआ करते हुए कहा कि ईद-उल-अजहा सभी के जीवन में खुशियां, अमन, तरक्की और बरकत लेकर आए तथा समाज में भाईचारे और इंसानियत की भावना और अधिक मजबूत हो।

इस अवसर पर आसिफ जाफरी एडवोकेट, आमिर सिद्दीकी, शादाब सिद्दीकी, इमरान सिद्दीकी, साबिर इदरीसी, रिहान मलिक एवं बबलू चौधरी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

बिजनौर में पुलिस टीम पर हमला, आरोपी को छुड़ाकर ले गए ग्रामीण; 12 गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली क्षेत्र के जमदरपुर गांव में चोरी के आरोपी से पूछताछ करने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता, धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार करते हुए सरकारी कार्य में बाधा डाली। हालात बिगड़ते देख पुलिस टीम को आरोपी युवक को छोड़कर वापस लौटना पड़ा। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

कृष्ण गोपाल सिंह, एएसपी सिटी , बिजनौर

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि 27 मई की रात थाना शहर कोतवाली के उपनिरीक्षक विनय कुमार, आरक्षी सनी मलिक और वेद प्रकाश के साथ जमदरपुर गांव पहुंचे थे। पुलिस टीम चोरी के एक मामले में पूछताछ के लिए आजम पुत्र सलीम को हिरासत में लेने गई थी। जैसे ही गांव के लोगों को इसकी जानकारी मिली, बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस टीम को घेर लिया। ग्रामीणों का कहना था कि आजम निर्दोष है। देखते ही देखते भीड़ ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। विरोध बढ़ने पर पुलिस टीम को युवक को मौके पर ही छोड़कर लौटना पड़ा।

घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना शहर कोतवाली में सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस टीम से अभद्रता करने और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने वीडियो फुटेज और स्थानीय सूचना के आधार पर 12 लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साजिद अली एडवोकेट

ईद मुबारक

ने देशवासी और प्रदेशवासियों को ईद- उल-अजहा (बकरा ईद) के पावन अवसर पर दिली मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं दी

यह पर्व हमें त्याग, कुर्बानी, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देता है तथा समाज में प्रेम और सहअस्तित्व को मजबूत करने के अवसर प्रदान करता है। देशवासियों व प्रदेशवासियों से अपील है इस पावन अवसर पर आपसी प्रेम, उपहार और भाईचारा बनाए रखें तथा समाज का माहौल खराब करने वाले तत्वों से सतर्क रहें।

इंसानियत का संदेश देता है तथा समाज में प्रेम और सहअस्तित्व को मजबूत करने के अवसर प्रदान करता है। देशवासियों व प्रदेशवासियों से अपील है इस पावन अवसर पर आपसी प्रेम, उपहार और भाईचारा बनाए रखें तथा समाज का माहौल खराब करने वाले तत्वों से सतर्क रहें।

उन्होंने लोगों से कुर्बानी पर्दे में करने, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, कानून व्यवस्था बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि कुर्बानी के दौरान किसी भी प्रकार की वीडियो या फोटो सोशल मीडिया पर साझा करने से बचें ताकि समाज में शांति बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी की स्थिति उत्पन्न ना हो और भाईचारे की मिसाल बनी रहे।

उन्होंने दुआ की कि ईद उल अजहा सभी के जीवन में खुशियां, अमन, तरक्की और बरकत लेकर आए।

कुर्बानी के समय सावधानियां बहुत जरूरी हैं

1. केवल कानूनी और अनुमति प्राप्त जानवर की कुर्बानी करें। अपने राज्य के कानून का पालन करें। जिन जानवरों को प्रतिबंध है, उनकी कुर्बानी बिल्कुल ना करें।
2. कुर्बानी जानवर की साड़ी रूप से नुमाइश ना करें। अपने घर पर ही रखें।
3. सजन जनकपुर कुर्बानी ना करें। सड़क, गली, पार्क या खुले स्थल इंसानों से बचें।
4. प्रशासन द्वारा रेगिस्तान या अपने निजी परिसर का ही उपयोग करें। नगर पालिका निर्धारित स्थान तय किए हैं।
5. सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। खून, अवशेष और कचरा खुले में ना छोड़े। प्लास्टिक बैग में पैंक करके जमीन के अंदर दफन कर दें और नगर पालिका के निर्देश अनुसार निस्तारण करें।
6. सोशल मीडिया पर फोटो, कुर्बानी की तस्वीरें या वीडियो डालने से बचें।
7. प्रशासन की एडवाइजरी जरूरी पढ़ें और किसी अफवाह पर भरोसा ना करें। स्वास्थ्य सुरक्षा का ध्यान रखें।

आप सभी को ईद-उल-अजहा (बकरा ईद) की दिली मुबारकबाद एवं हार्दिक शुभकामनाएं

नंदग्राम पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना नंदग्राम पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 2 अभियुक्त अभिषेक और लोकेश को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 2 मोटरसाइकिल बरामद की। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि हिंडन मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार 2 संदिग्ध लोगों को आते हुए देखा। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया। उनके पास से बरामद मोटरसाइकिल की जांच की गई तो वह चोरी की निकली। उनके निशानदेही पर 1 अन्य चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इन दोनों का अपराधी इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह दोनों मिलकर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में मोटरसाइकिल को चिन्हित करके चोरी किया करते थे। मोटरसाइकिल को चोरी करने के बाद उसे बेच दिया करते थे।

रेलवे लाइन के पास जुआ खेल रहे 7 आरोपी गिरफ्तार, 22,850 नकदी व ताश के पत्ते बरामद

गढ़मुक्तेश्वर/सिम्भावली (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम एवं जुआरियों-सटोरियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सिम्भावली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे लाइन राजपुर के पास जुआ खेल रहे सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से ₹22,850 की नकदी तथा 104 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। थाना सिम्भावली पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नदीम पुत्र रिफाकत निवासी सिखेड़ा, दीन मोहम्मद पुत्र मोहम्मद इस्लाम निवासी राजपुर, तरीकत पुत्र अब्दुल शकूर निवासी हरोड़ा मोड़ कस्बा सिम्भावली, मुन्ने पुत्र रशीद निवासी अल्लाबख्शपुर थाना गढ़मुक्तेश्वर, आकाश पुत्र कैलाश निवासी खेड़ा थाना बहादुरगढ़, राजबीर पुत्र जगन सिंह निवासी कुचेसर चौपला थाना बाबूगढ़ तथा शहजाद पुत्र असलुफ निवासी सिखेड़ा थाना सिम्भावली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक यतेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक आलोक सिंह, उपनिरीक्षक राहुल चौहान, कांस्टेबल दिनेश कुमार एवं कांस्टेबल आकाश चौहान शामिल रहे।

ईद-उल-अजहा पर दिखा भाईचारे और उत्साह का रंग, ईदगाहों में अदा की गई नमाज

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय ने ईद-उल-अजहा का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और धार्मिक आस्था के साथ मनाया। सुबह से ही क्षेत्र की ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। त्योहार के अवसर पर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। नए कपड़े पहनकर बच्चों ने अपने बड़ों के साथ ईद की खुशियां साझा कीं और एक-दूसरे को बधाई दी। पूरे क्षेत्र में सौहार्द और उल्लास का माहौल बना रहा।

ईद-उल-अजहा के पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई, जबकि वरिष्ठ अधिकारी लगातार क्षेत्र की निगरानी करते रहे। इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी मुस्लिम समुदाय को ईद की शुभकामनाएं देकर भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया।

महाराष्ट्र पुलिस को जिसकी थी तलाश, हापुड़ पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतरराज्यीय गैंगस्टर चोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक अंतरराज्यीय शातिर गैंगस्टर चोर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न थानों में कुल 23 मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा रामपुर रोड पर चेकिंग के दौरान बुलंदशहर रोड चुंगी निवासी वसीम को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अंतरराज्यीय स्तर का शातिर अपराधी है और लंबे समय से चोरी समेत विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध गाजियाबाद, मेरठ, वाराणसी तथा महाराष्ट्र के विभिन्न थानों में कुल 23 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से लगभग 20 मुकदमे अकेले गाजियाबाद के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त मुंबई के ठाणे थाना, वाराणसी के सिगरा थाना तथा मेरठ के मेडिकल थाना क्षेत्र में भी उसके खिलाफ मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि महाराष्ट्र के नागपुर शहर स्थित गणेशपेठ थाना पुलिस को चोरी के कई मामलों में उसकी लंबे समय से तलाश थी। आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना तत्काल मुंबई और नागपुर पुलिस को दे दी गई है। पुलिस आगे की आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

8.75 करोड़ के गन्ना समिति घोटाले में बड़ी कार्रवाई

हापुड़ (शिखर समाचार)। सहकारी गन्ना विकास समिति हापुड़ में हुए 8.75 करोड़ रुपये के चर्चित गबन मामले में शासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी क्लर्क रोहित कुमार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। साथ ही उससे 22 लाख रुपये की वसूली करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार सहकारी गन्ना विकास समिति हापुड़ में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आने के बाद शासन स्तर पर जांच कराई गई थी। जांच में समिति में तैनात क्लर्क रोहित कुमार द्वारा 22 लाख रुपये के गबन की पुष्टि हुई।

समिति चेयरमेन कुनाल चौधरी

मेरठ परिक्षेत्र के उप गन्ना आयुक्त राजीव राय ने बताया कि विभागीय जांच में रोहित कुमार पर लगाए गए सभी आरोप पूर्ण रूप से सिद्ध पाए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी कर्मचारी ने समिति के गन्ना मूल्य खाते से कूटरचित तरीके अपनाकर धनराशि अपने निजी बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। इसके आधार पर उसे तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

गन्ना समिति हापुड़ के चेयरमैन कुनाल चौधरी ने बताया कि समिति में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जा रही है। किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपी कर्मचारी के खाते में 22 लाख रुपये का गबन पाया गया है तथा मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) मेरठ द्वारा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद अन्य दोषियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी और गबन की गई धनराशि का एक-एक रुपया वसूला

संक्षिप्त समाचार

मूक प्राणियों की आत्मा की शांति हेतु जिन प्रभावना संघ ने किया णमोकार महामंत्र का जाप

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। गुरुवार प्रातः जिनशासन प्रभावना संघ खतौली द्वारा श्री 1008 नेमीपार्श्व दिगंबर जैन मंदिर (मायाचंद जक्की वाला) परिसर सहित नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में मूक प्राणियों की आत्मा की शांति के लिए णमोकार महामंत्र का सामूहिक उच्चारण किया गया। कार्यक्रम में जैन समाज के श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर अनंत जीवों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। ज्ञात हो कि एक दिन पूर्व ही जिनशासन प्रभावना संघ द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धालुओं से इस विशेष पाठ में शामिल होने की अपील की गई थी। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में असंख्य मूक जीवों पर हो रही हिंसा से व्यथित होकर उनकी आत्मा की शांति एवं विश्व मंगल की भावना से यह विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर जियो और जीने दो के सिद्धांत का संदेश देते हुए सभी ने जीव दया एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया। महामंत्र उच्चारण के दौरान शैकी जैन (अध्यक्ष), आयुष जैन (मंत्री), ऋषभ जैन, अक्षत जैन (एलआईसी वाले), अक्षत जैन (टीकरी), राहुल जैन, अर्पित जैन, अंकुश जैन, नमन जैन, हर्ष जैन सहित अन्य सधर्मीजन उपस्थित रहे।

गोपाल हत्याकांड के खुलासे से असंतुष्ट पीड़ित परिवार, विपक्षी नेताओं से करेंगे मुलाकात

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव बनवारीवास में एक सप्ताह पूर्व हुई किशोर गोपाल की हत्या का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस द्वारा किए गए खुलासे से पीड़ित परिवार संतुष्ट नहीं है और मामले में कई गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि हत्या बेहद बेरहमी से की गई, लेकिन पुलिस और प्रशासन पूरे मामले को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं ग्रामीणों में भी कार्रवाई को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। बताया गया कि बुधवार को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया था, लेकिन मृतक के परिजनों का कहना है कि इस हत्याकांड में केवल तीन ही नहीं बल्कि अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। परिवार का आरोप है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी छेड़छाड़ की गई है। परिजनों के अनुसार मृतक के शरीर के अंगों को काटा गया था और उसकी निर्मम तरीके से हत्या की गई थी, जबकि रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया गया। ग्रामीणों ने भी पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जिस खाली मकान में आरोपी हुक्का पिया करते थे और जहां शव मिला था, उस मकान पर बुलडोजर कार्रवाई की गई, जबकि मुख्य आरोपियों के मकानों को जानबूझकर बचाया गया। इससे ग्रामीणों में प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर संदेह और आक्रोश बढ़ गया है। पीड़ित परिवार ने स्पष्ट किया है कि उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला है और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों के अनुसार जल्द ही विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भी मुलाकात कर न्याय की मांग कर सकता है। गौरतलब है कि 21 मई को 15 वर्षीय गोपाल घर से लापता हो गया था। अगले दिन उसका शव गांव से कुछ दूरी पर एक खाली पड़े मकान में बरामद हुआ था। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

जानलेवा हमले के आरोप में दो गिरफ्तार, अवैध पिस्टल व कारतूस बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। मायचा गांव में दो दिन पूर्व दूध व्यापारी पर जानलेवा हमला करने और फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि मायचा गांव निवासी अनिल कुमार दूध का व्यापार करते हैं और अपने परिवार के साथ गांव में रहते हैं। मंगलवार रात्रि कुछ लोगों ने उनके तथा उनके परिवार के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। घटना में अनिल कुमार बाल-बाल बच गए।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मायचा गांव अंडरपास के समीप से मायचा निवासी सुमित भाटी तथा अच्छेजा गांव निवासी भोलू उर्फ अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया।

किसी का उजड़ा सिंदूर तो कोई हुआ अनाथ

उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में कई परिवारों की खुशियां छीन लीं

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। किसी के सिर से पिता का साया छिन गया तो किसी की मांग का सिंदूर उजड़ गया। मौत की सूचनाएं घर पहुंचते ही परिवार के लोग बेहाल हो गए। दिल्ली, गुड़गांव और गोरखपुर से देर शाम तक मृतकों के परिवार के लोग पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचते रहे। शव देख चीख पुकार मची रही।

बेटा बोला- छुट्टी न मिलने से पिता मुझसे मिलकर लौट रहे थे : हादसे में जान गंवाने वाले सुरेश कुमार जायसवाल गोरखपुर में ही ग्रॉसरी का काम करते थे। बेटे अभिषेक ने बताया कि वह दिल्ली में कंप्यूटर ऑपरेटर है। छुट्टी न मिलने के कारण पिता उससे मिलने दिल्ली गए थे। सोमवार सुबह पहुंचे थे। पूरे दिन मेरे साथ रहने के बाद शाम को बस में घर आने के लिए बैठ गए थे। बताया कि करीब दो साल पहले मां पूनम देवी की बीमारी से मौत हो गई थी।

क्या पता था अब कभी नहीं मिलेंगे : पिता ही मेरे साथ छोटे भाई आदित्य और कृष्णा का भी ध्यान रखते थे। बताया कि पापा बोलकर गए थे, जब मन न लगे तो आ जाना, या मुझे बता देना मिलने आ जाऊंगा। लेकिन यह नहीं पता था कि अब वह कभी नहीं मिलेंगे। यह बताते हुए वह फोन पर ही तेज-तेज से रोने लगा। बोला पहले मां ने साथ छोड़ा और पिता हमेशा के लिए छोड़कर चले गए।

आंखों के सामने पति की मौत, बिंद्रावती बदहवास : हादसे का शिकार हुए विदेशी गुप्ता परिवार सहित दिल्ली में रहते हैं। उनके दोस्त शिवम ने बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करते थे। बस में वह पत्नी बिंद्रावती के साथ अपने घर गोरखपुर आ रहे थे। हादसे में विदेशी की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी को अधिक चोट नहीं आई थी।

समय पर इलाज होता तो बच जाती जान : आंखों के सामने पति की मौत से वह बेहाल हैं। सीएचसी में वह बेहोश हो गई। पानी की छीटें डालने के बाद वह होश में आईं। बिंद्रावती ने आरोप लगाया कि कि सीएचसी में समय पर इलाज होता तो शायद मेरे पति की जान बच जाती। घटना के समय तीनों बच्चे घर पर थे। मौत की सूचना पहुंचने के बाद सभी घर के लिए निकले हैं।

पापा कहते थे दो साल बाद सेवानिवृत्त होकर रहेंगे साथ: एक्सप्रेसवे पर हुई घटना में जान गंवाने वाले बिहार सीवान के महाराजगंज मछुआरी निवासी उपनिरीक्षक रवीचरन पुलिस लाइन में तैनात थे। बेटे राजू कुमार ने बताया कि पिता के सेवानिवृत्त होने के दो साल बचे थे। सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने साथ रहने और फिर घूमने की बात कही थी।

बंदी को लेकर जा रहे थे गुड़गांव : लेकिन यह नहीं पता था कि बीच रास्ते में ही हम लोगों को छोड़कर चले जाएंगे। जाते समय यह बताया था कि एक बंदी को लेकर गुड़गांव जा रहे हैं। उनके साथ कांस्टेबल मो. वसीम और रोधन कुमार भी गए थे। वह भी घायल हुए हैं। पति की मौत से पत्नी कांती देवी, बच्चों में तीन बेटे और दो बेटी बेहाल हैं।

आठ महीने बाद परिजनों मिलने जा रहे थे दिनेश, रास्ते में मौत : बस पलटने से जान गंवाने वाले दिनेशचंद्र चतुर्वेदी दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करते थे। लखनऊ निवासी उनके साले आशीष पांडेय ने बताया कि जीजा दिवाली पर घर आए थे। तब से अब अपने घर गोंडा के श्रृंगारधार मासकनवा जा रहे थे। पत्नी मिथलेश और बच्चों में सोनल, प्रियल, अंशिका और अन्नू पिता के आने की राह देख रही थीं। मौत की खबर जैसे ही घर पहुंची कोहराम मच गया। बेटियां बार-बार बेहोश हो रही थीं। दिनेशचंद्र ही अपने परिवार के सहारा थे।

दिव्यांग सरकारी कर्मचारी की हत्या में दो साल से जेल में था : हादसे का शिकार हुआ गुड़गांव निवासी तोमर उर्फ चंद्रपाल पेशे से डॉक्टर था। लेकिन आचरण अच्छे न होने से पत्नी अमरजीत कौर ने 15 साल पहले ही तलाक ले लिया था। तलाक में दो बच्चे निशिका और निशांक मां के पास ही रहने का आदेश हुआ था।

हत्या क्यों की थी, यही नहीं पता : अमरजीत कौर ने बताया कि करीब दो साल पहले पता चला कि उसने गोरखपुर में किसी दिव्यांग सरकारी कर्मचारी की हत्या कर दी है। हत्या करने के बाद वहां से भागकर मुझे भी मारने आए थे। लेकिन सफल नहीं हुए थे। पत्नी के मुताबिक उसने ही पति को गुड़गांव के सेक्टर पांच थाने में पकड़वाया था। तब से वह जेल में हैं। हत्या क्यों की थी, यही नहीं पता। मंगलवार सुबह मेरे पास उनकी मौत की खबर आई।

परिवार वाले शादी के लिए देख रहे थे रिश्ता : बस पलटने से हुई सेरसहन गोविंदपारा निवासी विजय कुमार की मौत की घटना में बड़े भाई अजय कुमार ने बताया कि विजय दिल्ली के आर्मी कैंप के पास सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। पांच महीने पहले घर से गया था, तब से वहीं था। सोमवार को घर आने के लिए बस में बैठा था, तब फोन कर बताया था। बेटे की मौत से मां सिरजना देवी सहित अन्य परिजन बेहाल हैं।

'नींद में लगा बम फटा', क्रेन से उठाते ही नीचे गिरने लगीं लाशें, मंजर देख दहल उठे लोग

उन्नाव, एजेंसी। लंबे सफर की थकान और भोर पहर का वक्त होने से बस में सवार सभी यात्री नींद में थे। यात्रियों ने सीट पर बैठकर सफर कर रहे घायल यात्रियों ने बताया कि नींद में थे तभी अचानक तेज धमाके की आवाज आई तो सभी चीख पड़े। इतना तेज झटका लगा कि संभलने का मौका नहीं मिला। ऊपर की बर्थ पर सो रहे यात्री और बैठकर सफर कर रहे यात्री एक-दूसरे पर गिर गए।

जो बस में नीचे की तरफ फंसे वह जिंदा नहीं बच पाए। दिल्ली से बलिया जा रहे ब्रजेश कुमार ने बताया कि तेज झटका लगने के बाद सभी यात्री एक-दूसरे पर गिरे और लगा किसी बस किसी गहरी खाई में फिसलती चली जा रही हो। बस की खिड़की का शीशा टूट जाने से वह किसी तरह बाहर निकल आया। इसी बीच शोर सुनकर एक्सप्रेसवे से निकल रहे कुछ वाहन चालकों ने रुक कर उनकी मदद की।

कई लोगों को बाहर निकाला उनमें वह (ब्रजेश) भी शामिल है। हादसे में मृत विदेशी गुप्ता के साथ सफर कर रहीं उनकी पत्नी बिंद्रावती ने बताया कि वह काफी दिनों बाद गोरखपुर जा रहे थे। अगले महीने परिवार में एक शादी में भी शामिल होने था। बताया कि जिस समय हादसा हुआ वह भी गहरी नींद में थीं। कुछ तेज झटके लगने और गिरने से के बाद मानो दिमाग की सोचने-समझने की शक्ति ही खत्म हो गई थी।

कुछ लोगों ने निकाला,एंबुलेंस में थे तब पति के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है, बाद में पति की मौत की जानकारी हुई। हल्की चोटें लगने से घायलों में बहराइच के शिवमंगल, गोरखपुर के राजकुमार, दिनेश आदि ने बताया कि वह बस में दाहिनी ओर की सीट पर बैठे थे और बस बाएं तरफ पलटी। अगर वह बाएं तरफ होते तो उनका भी जिंदा बचना बचना मुश्किल था।

हादसे के बाद रेस्क्यू टीमों ने घायल बस यात्रियों को निकाला लेकिन कई लोग सीटों के बीच फंसे होने और उनमें कई के पैर, हाथ की अंगुलियां कट गईं थीं। पुलिस ने आनन-फानन क्रेन लगाकर बस को उठाया तो नीचे से लाशें गिरने लगीं। सातों को स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।उन्नाव जिले में एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में चीख-पुकार की आवाजें आती रहीं। स्थिति यह थी कि किसी का बायां पैर धड़ से अलग हो गया तो किसी के सिर, चेहरे, छाती और हाथों में गंभीर चोटें आईं।

खतौली क्षेत्र में ईद उल अजहा का पर्व सौहार्द और भाईचारे के साथ सम्पन्न

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगरीय क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी ईद-उल-अजहा का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। विभिन्न ईदगाहों एवं मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा तथा सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। खतौली ईदगाह में नमाज के दौरान उप जिलाधिकारी डॉ. ललित कुमार मिश्रा, सीओ रूपाली राव चौधरी तथा थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल स्वयं मौजूद रहे। अधिकारियों ने लोगों से शांति, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उप जिलाधिकारी डॉ. ललित कुमार मिश्रा ने कहा कि ईद का त्योहार प्रेम, त्याग और इंसानियत का संदेश देता है। सभी धर्मों के पर्व समाज को एकता और सौहार्द की सीख देते हैं। प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो और सभी नागरिक मिल-जुलकर त्योहार मनाएं। इस अवसर पर तहसीलदार अरविंद कुमार, नगर पालिका परिषद खतौली के अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार, क्षेत्रीय लेखपाल अश्वनी कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। ईदगाह परिसर में नमाज शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। वहीं ईद-उल-अजहा के मौके पर खतौली में कौमी एकता की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली। नमाज के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामलाल बच्ची सैनी के नेतृत्व में नमाजियों का स्वागत किया तथा उन पर पुष्प वर्षा कर भाईचारे का संदेश दिया। सुबह ईदगाह में हजारों मुस्लिम भाइयों ने एक साथ नमाज अदा की और बारगाह-ए-इलाही में हाथ उठाकर देश व प्रदेश में अमन, खुशहाली और आपसी सद्भाव के लिए विशेष दुआएं मांगीं। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता इमरान सिद्दीकी, जिला उपाध्यक्ष पंकज सैनी, जिला सचिव हाजी इकबाल, काजी नईम एडवोकेट, पूर्व नगर अध्यक्ष इरफान काजी, मुख्तार खान, निर्मल सैनी प्रधान, ओमकार सैनी, अरशद मुल्तानी, दीपक सैनी, रविकांत सैनी, अभिषेक गोयल एडवोकेट, देविंदर सैनी, महावीर सैनी, अमीर अहमद, सरताज सलमानी, मुरारी सैनी, श्याम सिंह प्रधान, राजवीर मास्टर सहित दर्जनों सपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।गौरतलब है कि ईद-उल-अजहा के पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए नागरिक एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व में शांति समिति की बैठकें आयोजित की गई थीं तथा नगर में पैदल मार्च भी निकाला गया था।

शिक्षण कौशल और संस्कारों से सजा नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का पंचम दिवस

शामली (शिखर समाचार)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बुढ़ाना रोड में आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का पंचम दिवस शिक्षण कौशल, संस्कार एवं रचनात्मक गतिविधियों के समन्वय के साथ प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पूनम अनेजा, सुधा बाना, प्रधानाचार्य पल्लवी ऐरन एवं मीनाक्षी शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विद्यारंभ संस्कार, स्वर्णप्राशन संस्कार, एफएलएन एवं शिशु वाटिका की समय सारिणी पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षु बहनों ने विभिन्न शैक्षिक खेल, गीत, कविता एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाने की विधियां प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजय सैनी, स्वाति जैन, सुधा बाना, सोनी शर्मा, मीनाक्षी शर्मा एवं बिंदिया बिंदल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रजापति जनकल्याण सेवा समिति का चुनाव सम्पन्न, श्याम सिंह प्रजापति बने अध्यक्ष

शामली (शिखर समाचार)

शामली तहसील परिसर में प्रजापति जनकल्याण सेवा समिति का द्विवार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया तहसीलदार सदर एवं निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार के निर्देशन में संपन्न कराई गई।

चुनाव परिणाम में संरक्षक पद पर सुखबीर सिंह प्रजापति, अध्यक्ष पद पर श्याम सिंह प्रजापति, उपाध्यक्ष पद पर धर्मपाल प्रजापति, सचिव पद पर राम कुमार प्रजापति, उपसचिव पद पर विपिन कुमार प्रजापति, कोषाध्यक्ष पद पर सुनील कुमार प्रजापति तथा लेखा निरीक्षक पद पर अनिल कुमार प्रजापति निर्वाचित घोषित किए गए।

इसके अलावा अरविंद कुमार, कंवर पाल, मांगेराम एवं विनय कुमार सदस्य चुने गए। चुनाव में विजयी पक्ष को 32 मत प्राप्त हुए। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों ने फूलमालाओं से नव निर्वाचित टीम का जोरदार स्वागत किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्याम सिंह प्रजापति ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा युवाओं के उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का भरोसा दिलाया।

वाराणसी में डूबने से चार लोगों की मौत

वाराणसी, एजेंसी। गंगा दशहरा पर मंगलवार को आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे तीन परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। आदमपुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग घाटों पर गंगा स्नान के दौरान किशोर समेत तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। पहली घटना आदमपुर थाना क्षेत्र के भैसासुर घाट पर हुई, जहां बिहार के दुर्गावती निवासी अभिषेक (20) नहाते वक्त गहरे पानी में चला गया।

परिवार के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे अभिषेक को लोगों ने तुरंत गंगा से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें उखड़ चुकी थीं। इसी घाट पर कोनिया निवासी इवान (12) की परिवार के साथ नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। आदमपुर पुलिस ने गोताखोरों की मदद से इवान के शव को बाहर निकलवाया। मंडलीय अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। आदमपुर थाना क्षेत्र के सक्का घाट पर सुबह गोंडा के भाटपुरवा निवासी हरिओम सिंह (24) की नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। नाविकों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आदमपुर पुलिस ने किशोर समेत तीनों के शव को संरक्षण में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बच्चों का शव देखते ही परिजन बदहवाश हो गए।

उनकी आंखों के सामने ही इवान, हरिओम और अभिषेक की गंगा में डूबने से मौत हुई। एसीपी कोतवाली विजय प्रताप सिंह ने बताया कि घाटों पर अनाउंसमेंट भी कराया गया। बेरिकेडिंग और जेटी के बाहर कोई नहीं जाए। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।चोलापुर थाना क्षेत्र के औरा गांव में अमृत सरोवर में मंगलवार सुबह प्रेमचंद्र अग्रहरि (26) की डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को संरक्षण में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बड़े भाई रामचंदर अग्रहरि ने पुलिस को तहरीर दी है। औरा गांव निवासी प्रेमचंद्र अग्रहरि सुबह सात बजे तालाब में नहाने गया था। गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

ट्रेडिंग स्कैम और बैंक फ्रॉड, एक गलती से गंवाई रकम

कारोबारी से 5.13 लाख और महिला से 7 लाख की साइबर ठगी

आगरा, एजेंसी। सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रेडिंग एप पर निवेश करने पर रोजाना 20 प्रतिशत मुनाफे के लालच में फंसकर कारोबारी ठगी का शिकार हो गए। साइबर ठगों ने कई बार में 5.13 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ले लिए। एप पर मुनाफा दिखता रहा, लेकिन जब रकम निकालने का प्रयास किया तो रकम नहीं दी। पीड़ित ने थाना साइबर क्राइम में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बरारा गांव निवासी बनवारीलाल ने बताया कि सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रेडिंग के लिंक पर क्लिक करने के बाद साइबर ठगों ने एक वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। ग्रुप को 5 पैसा एप से जुड़ा बताया गया। इसके बाद अन्य लिंक भेजकर 5 पैसा का क्लोन एप डाउनलोड कराया गया। आरोपियों ने खुद को शेयर ट्रेडिंग का विशेषज्ञ बताते हुए एप के माध्यम से निवेश करने पर प्रतिदिन 20 प्रतिशत मुनाफा देने का लालच दिया। इसके बाद एक और ग्रुप में जोड़कर अलग-अलग यूपीआई आईडी और बैंक खातों में रुपये जमा कराने को कहा गया। 30 जनवरी से 24 फरवरी के बीच पीड़ित ने 10 अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 5.13 लाख रुपये खातों में ट्रांसफर कर दिए।

एप में जमा रकम पर मुनाफा दिखाई देता रहा। इस कारण उनका भरोसा बना रहा। 26 फरवरी को अचानक एप में दिख रही पूरी रकम शून्य हो गई और आरोपियों ने वाट्सएप पर भी संपर्क बंद कर दिया। थाना प्रभारी साइबर क्राइम ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है।

महिला के खाते से साइबर ठगों ने उड़ाए सात लाख

कमला नगर के शालीमार एन्क्लेव निवासी महिला के बैंक खाते से 7 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। रितु लालवानी ने बताया कि उनका एचडीएफसी बैंक की हींग की मंडी शाखा में खाता संचालित है। 17 अप्रैल को उनके खाते से दो बार में 4 लाख और 1.50 लाख रुपये और 18 अप्रैल को 1.56 लाख रुपये निकल गए। ठगों ने उनके खाते से जुड़ी ईमेल आईडी भी बिना जानकारी के बदल दी।मोबाइल नंबर बंद होने के कारण उन्हें रकम निकलने की समय पर जानकारी नहीं मिल सकी। मामले का पता चलने पर उन्होंने बैंक की डिटेल के साथ पुलिस से शिकायत की है। थाना प्रभारी साइबर क्राइम ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

साइबर अपराध से बचाव को रखें ध्यान

डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य कुमार ने बताया कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी अंजान कॉल, मैसेज या ईमेल पर भरोसा न करें। खासकर तब जब कोई आपसे बैंक, बीमा या सरकारी विभाग के नाम पर जानकारी और रकम की मांग करे। अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी, पासवर्ड या कार्ड की जानकारी किसी से साझा न करें। किसी लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता जांच लें। केवल आधिकारिक वेबसाइट और एप का ही उपयोग करें। ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं और नजदीकी थाने में शिकायत करें।

सौहार्द, भाईचारे और उल्लास के साथ मनाया गया ईद उल अजहा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बा रबूपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को ईद उल अजहा का पर्व पूरे हर्षोल्लास, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोगों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने नए वस्त्र पहनकर ईदगाह एवं मस्जिदों में पहुंचकर नमाज अदा की और देश-दुनिया में अमन, चैन, तरक्की एवं भाईचारे की दुआ मांगी।

रबूपुरा में यमुना एक्सप्रेसवे मार्ग स्थित ईदगाह पर बड़ी संख्या में लोगों ने ईद उल अजहा की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर और आसपास पूरे दिन उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। बच्चों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। बच्चे नए कपड़े पहनकर एक दूसरे को बधाई देते नजर आए, वहीं घरों में विशेष पकवान भी बनाए गए। ईद के मौके पर कस्बे में सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी एक दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं देकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया और प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष शशांक सिंह ईदगाह पहुंचे और लोगों को ईद उल अजहा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ईद का पर्व प्रेम, त्याग, भाईचारे और मानवता का संदेश देता है। सभी लोगों को मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने चाहिए, जिससे समाज में एकता और सद्भाव मजबूत हो।

ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग का अभियान तेज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रीष्म ऋतु में आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग लगातार अभियान चला रहा है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में आइसक्रीम एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए जा रहे हैं।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम ने सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा स्थित लक्ष्मी आइसक्रीम निर्माण इकाई से आइसकैंडी का एक नमूना तथा डिवाइन आइसक्रीम निर्माण इकाई से आइसक्रीम का एक नमूना संग्रहित किया। वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमर बहादुर सरोज एवं रितु सक्सेना की टीम ने सेक्टर-64 नोएडा स्थित गोल्ड स्मिथ रिटेल सर्विसेज लिमिटेड की निर्माण इकाई से दूध, क्रीम तथा रेड वेलवेट क्रीम (निरूला ब्रांड) के एक-एक नमूने लिए।

जांच के दौरान रेड वेलवेट क्रीम के लेबल पर आवश्यक जानकारियां, जैसे पोषण संबंधी विवरण आदि अंकित नहीं पाए गए। इस पर कार्रवाई करते हुए 2.3 किलोग्राम के 25 डिब्बों को अग्रिम आदेश तक सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह एवं एसके पाण्डेय की टीम ने सेक्टर-73 नोएडा स्थित क्वार्ले आइसक्रीम से आइसक्रीम का एक नमूना लिया। वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद इबादुल्लाह, ओपी सिंह एवं एसके पाण्डेय की टीम ने सेक्टर-04 रोजा जलालपुर, ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित भवनाथ आइसक्रीम एवं कोल्ड ड्रिंक्स निर्माण इकाई से कुल्फी एवं बादाम शेक के एक-एक नमूने संग्रहित किए। इस प्रकार कुल आठ खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। विभाग द्वारा हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री की शिकायतों के संबंध में भी विभिन्न स्टोरों पर जांच अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कहीं भी हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं पाई गई। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार जांच अभियान जारी रहेगा, ताकि जनपदवासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जा सकें।

चंद्रपाल हत्याकांड पर उबल पड़ा कश्यप समाज, मुकदमे वापस न होने पर आंदोलन की चेतावनी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बागपत जनपद के हिलवाड़ी गांव में हुए चंद्रपाल कश्यप हत्याकांड को लेकर कश्यप समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। समाज के लोगों ने पुलिस द्वारा 56 लोगों पर दर्ज मुकदमे वापस न लेने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञात हो कि हिलवाड़ी गांव निवासी बिजली मिस्त्री चंद्रपाल कश्यप की पंखा-कूलर ठीक करने के पैसों के लेनदेन को लेकर कुछ युवकों ने हत्या कर दी थी। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया था। पुलिस ने मामले में हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, वहीं सड़क जाम करने के आरोप में 56 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया।

गुरुवार को कस्बे में हिंडन नदी पुल पार महर्षि कश्यप एकता संगठन की बैठक संगठन अध्यक्ष मास्टर सुशील कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समाज के लोगों ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। मास्टर सुशील कश्यप ने कहा कि पीड़ित पक्ष और ग्रामीणों पर मुकदमा दर्ज करना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। इससे कश्यप समाज में भारी रोष है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो समाज के लोग बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कश्यप समाज के खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप ने कहा कि पिछले छह महीनों में सहारनपुर और मेरठ मंडल में कश्यप समाज के करीब 17 लोगों की हत्या हो चुकी है, जो बेहद चिंताजनक और निंदनीय है।

बैठक में श्याम कश्यप, नंदन कश्यप, डॉ. आदेश कश्यप, अमित, ऋषिपाल, मुकेश, मोहित, अजय समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

सर्वसम्मति से स्वाति जिंदल बनीं टैक्स बार एसोसिएशन की अध्यक्ष

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद टैक्स बार एसोसिएशन के सत्र 2026झ27 के संपन्न हुए चुनाव में सर्वसम्मति से सीए स्वाति जिंदल को अध्यक्ष तथा सीए गुलशन थापर को सचिव निर्वाचित किया गया।

राजनगर स्थित एक होटल में आयोजित चुनाव कार्यक्रम में 17 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरी हुई, जिसमें एसोसिएशन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीए स्वाति जिंदल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संस्था की गरिमा एवं सदस्यों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगी। उन्होंने कहा कि पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ संस्था के हित में कार्य किया जाएगा। साथ ही एसोसिएशन के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि टैक्स अधिवक्ताओं एवं चार्टर्ड अकाउंटेंटों की समस्याओं के समाधान, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सदस्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभावी कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

बिजनौर में एम्स स्थापना की मुहिम तेज, योगेश शर्मा ने डिप्टी सीएम को सौंपी विस्तृत रिपोर्ट

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में शिक्षाविद एवं समाजसेवी योगेश शर्मा ने बड़ी मुहिम छेड़ दी है। 'एवीआई क्लासेस' के निदेशक योगेश शर्मा बिजनौर मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना को लेकर लगातार प्रयासरत हैं।

इसी क्रम में योगेश शर्मा ने जिले के जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर समर्थन और सहयोग मांगा है। उनके प्रयासों के चलते मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह द्वारा 17 मार्च को शासन को प्रस्ताव भी भेजा गया है।

एम्स स्थापना की मांग को और मजबूती देने के लिए योगेश शर्मा ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात कर बिजनौर की स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित एक विस्तृत सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान उन्होंने जिले में तेजी से फैल रहे सूखे नशे के अवैध कारोबार पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद बिजनौर पुलिस को जिले में सूखे नशे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने के आदेश जारी किए गए हैं। योगेश शर्मा ने बताया कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में भी दो बार बिजनौर में एम्स स्थापना की मांग प्रमुखता से उठा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने चिकित्सा महानिदेशक डॉ. सारिका मोहन, जो पूर्व में बिजनौर की जिलाधिकारी रह चुकी हैं, से भी मुलाकात कर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था से अवगत कराया। उन्होंने उम्मीद जताई कि बिजनौर लोकसभा सांसद चंदन चौहान के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से यह मुहिम और मजबूत होगी तथा निकट भविष्य में बिजनौर को एम्स जैसी बड़ी सौगात मिल सकेगी। गौरतलब है कि योगेश शर्मा 'एवीआई क्लासेस' के माध्यम से लंबे समय से हजारों युवाओं के करियर निर्माण में योगदान दे रहे हैं और अब सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

इरोज सम्पूर्णम सोसायटी में विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित इरोज सम्पूर्णम सोसायटी में रविवार सुबह धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक सद्भाव का अनूठा संगम देखने को मिला, जब सोसायटी के ह्लसुबह की बैठक ग्रुपह्व द्वारा मुख्य द्वार के बाहर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी के निवासियों सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरे परिसर में भक्ति, सेवा और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। भंडारे में पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सराहना की तथा समूह के सेवा कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में जिले के कई वरिष्ठ राजनयिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। इस अवसर पर नोएडा लोक मंच के संस्थापक सहित संस्था से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित सदस्यों ने भी पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। अतिथियों ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में भाईचारे, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

भंडारे के सफल संचालन में सुबह की बैठक ग्रुप के सदस्यों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा। आयोजन के दौरान अनुशासन और सेवा भावना लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। स्थानीय निवासियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल आपसी मेलजोल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, सेवा भाव और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का भी कार्य करते हैं। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया।

भीषण गर्मी में दोपहर के समय निर्माण कार्यों पर काम नहीं करेंगे श्रमिक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मंडलायुक्त भानुचंद गोस्वामी और जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड़ ने श्रमिकों के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। इस आदेश के तहत दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक निर्माण कार्यों पर श्रमिकों के काम करने पर रोक लगा दी गई है। आदेश का अनुपालन करते हुए श्रमिकों को हीटवेव से बचने और श्रमविभाग की योजनाओं के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष अभियान निर्माण कार्यस्थलों व लेबर अड्डों पर चलाया गया। अनुराग मिश्रा उपश्रमायुक्त ने श्रमप्रवर्तन अधिकारी विनोद शर्मा और जितेंद्र कुमार के साथ

नासिरपुर फाटक लेबर अड्डे पर रेडक्रास सोसाइटी के सहयोग से श्रमिको को गमछा, ओआरएस और जलजीरा वितरण किया। श्रमविभाग की योजनाओं के बारे में श्रमिकों को जानकारी दी गई और बताया गया कि वह किसी भी जनसेवा केंद्र से पंजीकरण कराकर योजनाओं का लाभ ले सकते है। इन योजनाओं का लाभ श्रमिकों को बच्चो के जन्म, उनकी पढ़ाई, बेटियों की शादी से लेकर आपदा राहत, गंभीर बीमारी व मृत्यु तक की स्थितियों के लिए दिया जाता है। वर्ष 2025-26 में 11000 से अधिक श्रमिकों को गाजियाबाद जिले में यह लाभ दिए गए है, जिन्होंने अपना पंजीकरण करा रखा था। उपस्थित श्रमिकों से अपना पंजीकरण कराने की अपील की गई।

रेडक्रास सोसाइटी से सुभाष गुप्ता, सुषमा गुप्ता, धवल गुप्ता, राकेश चतुर्वेदी, राकेश गुप्ता, प्रीतम लाल, उपस्थित रहे।

नर्सरी में निकला 10 फीट लंबा ब्लैक कोबरा, मचा हड़कंप

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव असौड़ा स्थित एक नर्सरी में गुरुवार को करीब 10 फीट लंबा ब्लैक कोबरा निकल आने से हड़कंप मच गया। विशालकाय सांप को देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों और लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार गांव असौड़ा स्थित श्रेया नर्सरी में कर्मचारी अपने दैनिक कार्यों में जुटे हुए थे। इसी दौरान गमलों के पास एक विशाल ब्लैक कोबरा दिखाई दिया। सांप को देखते ही कर्मचारियों में दहशत फैल गई और आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सावधानीपूर्वक अभियान चलाते हुए कई घंटे की मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू के दौरान टीम ने उसे बोरी में बंद कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और बाद में जंगल में छोड़ दिया। कोबरा के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद नर्सरी कर्मचारियों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव या जहरीले सांप के दिखाई देने पर स्वयं पकड़ने का प्रयास न करें और तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें।

ईसापुर भदोला तौड़ी मार्ग की बदहाली पर सांसद नाराज, गड्ढे भरवाने के निर्देश

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने ईसापुर भदोला तौड़ी मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर नाराजगी जताई है। सड़क पर जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे होने तथा कई स्थानों पर जलभराव की समस्या के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालत यह है कि राहगीरों और वाहन चालकों के लिए इस मार्ग से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने बताया कि क्षेत्र के लोगों ने उनसे सड़क की खराब स्थिति की शिकायत की थी। इसके बाद उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है, लेकिन अभी तक बजट की स्वीकृति प्राप्त नहीं हो सकी है। सांसद ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जब तक शासन से सड़क निर्माण के लिए बजट स्वीकृत नहीं हो जाता, तब तक विभाग की ओर से सड़क पर बने बड़े गड्ढों में पत्थर डलवाकर मार्ग को चलने योग्य बनाया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और आवागमन सुचारु बना रहे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सड़क के गड्ढों को भरवाने का कार्य कराया जाएगा। साथ ही बजट स्वीकृत होते ही सड़क के पुनर्निर्माण का कार्य भी शुरू करा दिया जाएगा। सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि वह इस मार्ग के लिए शीघ्र बजट स्वीकृत कराने हेतु शासन स्तर पर लगातार प्रयास कर रहे हैं, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

सांसद डॉ राजकुमार सांगवान का फाइल फोटो

शांतिपूर्ण माहौल में अदा हुई बकरीद की नमाज

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ईद उल अजहा का पर्व बृहस्पतिवार को नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। ईदगाह एवं विभिन्न मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की की दुआ मांगी। इस दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी अंकित कुमार ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। ईदगाह एवं आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी गई, जबकि संवेदनशील स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। नमाज के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने भी क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुबह से ही लोग ईदगाह एवं मस्जिदों की ओर पहुंचने लगे। शहर काजी मुफ्ती मोहम्मद तनवीर ने नमाज अदा कराई तथा देश-दुनिया में शांति, सौहार्द और खुशहाली की दुआ कराई। नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। पर्व के दौरान लोगों ने शासन-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए कुबार्नी सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर न कर बंद परिसरों एवं अपने घरों के भीतर की।

अमन, भाईचारे और खुशियों के संदेश के साथ मनाया गया ईद उल अजहा का पर्व

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे में ईद उल अजहा का पर्व धार्मिक आस्था, उल्लास और भाईचारे के वातावरण में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। सुबह से ही विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने नमाज अदा कर देश और समाज में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी।

कस्बे की एहले हदीस ईदगाह में सुबह 6:30 बजे मौलाना अमानुल्लाह ने ईद की नमाज अदा कराई। इसके अतिरिक्त मदरसा फैजुल इस्लाम और आर एंड आर में सुबह 6:45 बजे, बड़ी ईदगाह में सुबह 7 बजे तथा शकर बरस में सुबह 7:15 बजे ईद की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का संदेश दिया। पर्व को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। वहीं, सभी ईदगाहों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा तथा प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, पत्नी व ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

मुरादनगर (शिखर समाचार)। रावली मार्ग स्थित राधाकुंज कॉलोनी में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की मां ने युवक की पत्नी और उसके भाइयों पर मारपीट करने तथा जहरीला पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार राधाकुंज कॉलोनी निवासी राहुल कुमार अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। बुधवार रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फाइल फोटो: राहुल कुमार

मृतक की मां सरोज ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि बुधवार रात राहुल और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि इसके बाद पत्नी ने अपने भाइयों को मौके पर बुला लिया। परिजनों का कहना है कि राहुल के साथ मारपीट की गई और उन्हें कथित रूप से जहरीला पदार्थ दे दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन और भारतीय राजनीति का नया संदेश

कर्नाटक की राजनीति में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में सत्ता, संगठन और नेतृत्व के रिश्तों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। कांग्रेस आलाकमान से किए गए वादे के अनुसार सिद्धारमैया ने अपने पद से इस्तीफा देकर यह संकेत दिया है कि पार्टी के भीतर संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व की सामूहिक व्यवस्था अभी भी प्रभावी है। बीते कई दिनों से उनके इस्तीफे को लेकर अटकलें चल रही थीं, लेकिन अंततः उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर पद छोड़ते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीति में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से अधिक महत्व पार्टी के निर्णयों का होता है। उनके इस कदम ने न केवल कर्नाटक बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी कई नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

सिद्धारमैया ने राज्यपाल के विशेष सचिव को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कांग्रेस नेतृत्व सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का आभार व्यक्त किया। यह बयान केवल औपचारिक धन्यवाद नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व संरचना और निर्णय प्रक्रिया के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी संकेत था। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से ही सत्ता साझेदारी को लेकर चचाएं होती रही थीं। माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पहले से ही कोई आंतरिक समझ बनी हुई थी और उसी समझौते के अनुसार यह परिवर्तन किया गया है। ऐसे समय में जब भारतीय राजनीति में नेता अक्सर पद से चिपके रहने की प्रवृत्ति दिखाते हैं, सिद्धारमैया का शांतिपूर्ण तरीके से पद छोड़ना एक अलग उदाहरण प्रस्तुत करता है। हालांकि राजनीति केवल आदर्शों से नहीं चलती। सत्ता परिवर्तन के पीछे कई राजनीतिक समीकरण भी सक्रिय रहते हैं। कर्नाटक कांग्रेस लंबे समय से दो बड़े नेताओं सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार के प्रभाव के बीच संतुलन बनाकर चल रही थी। सिद्धारमैया सामाजिक न्याय और जनाधार वाले नेता माने जाते हैं, जबकि शिवकुमार संगठन और संसाधनों पर मजबूत पकड़ रखने वाले रणनीतिकार के रूप में देखे जाते हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री पद का परिवर्तन केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं बल्कि कांग्रेस की आंतरिक शक्ति संरचना का पुनर्संतुलन भी माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व यह संदेश देना चाहता है कि कांग्रेस अब व्यक्तिवादी राजनीति के बजाय सामूहिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। सिद्धारमैया का राजनीतिक जीवन संघर्ष और संगठनात्मक अनुभव से भरा रहा है। उन्होंने 2013 से 2018 तक अपना पहला कार्यकाल पूरा किया और कई कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई। उनके दूसरे कार्यकाल में भी राज्य सरकार ने सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण और गरीब वर्गों के लिए कई योजनाओं को प्राथमिकता दी। विशेष रूप से गारंटी योजनाओं ने कांग्रेस को चुनावी लाभ पहुंचाया। लेकिन इन योजनाओं के साथ वित्तीय बोझ और प्रशासनिक चुनौतियों की चर्चा भी लगातार होती रही। ऐसे में उनके इस्तीफे को केवल राजनीतिक समझौते के रूप में नहीं बल्कि सरकार की अगली रणनीति के हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर यह घटनाक्रम कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आगामी लोकसभा और विभिन्न राज्यों के चुनावों से पहले कांग्रेस यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि उसके भीतर नेतृत्व परिवर्तन लोकतांत्रिक तरीके से संभव है। भाजपा अक्सर कांग्रेस पर परिवारवाद और आंतरिक लोकतंत्र की कमी का आरोप लगाती रही है। ऐसे में यदि पार्टी बिना किसी बड़े विवाद के सत्ता परिवर्तन कराने में सफल होती है तो यह उसकी राजनीतिक छवि को मजबूत कर सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

यदि आप ईर्ष्या करने वालों को सजा देना चाहते हैं, तो खूब खुश रहें और खुश दिखें।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

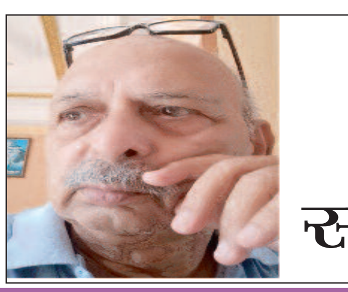

© विनय संकोची

गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

कांतिलाल मांडोत

कांगो से आए युवक में संक्रमण की आशंका से स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट...

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई।

इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान की जा सके।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है।

अहमदाबाद मनपा संचालित एसवीपी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरूआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए।

गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमों को अलर्ट रखा गया है।

यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और बढ़ती आवाजाही के कारण किसी भी देश में संक्रमण पहुंचने की संभावना बनी रहती है। ऐसे समय में मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव साबित होती है। फिलहाल पूरे राज्य की नजर मरीज की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सतर्कता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकता है।

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे ह्यअंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवसह्न के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

किसान मसीहा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह : संघर्ष, सादगी और किसान हितों को समर्पित महान व्यक्तित्व

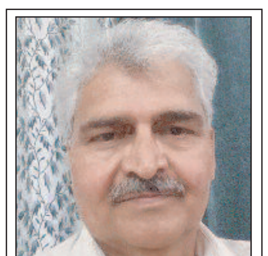

लेखक व संकलनकर्ता : ब्रजवीर सिंह आर्य, सेवानिवृत बैंक अधिकारी, बिजनौर

भारत रत्न,किसान मसीहा, भारत के पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी का जन्म 23 दिसंबर 1902 को एक साधारण किसान परिवार में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर ग्राम में हुआ था । इनके पिता का नाम श्री मीर सिंह तथा माता का नाम श्रीमती नेत्र कौर था। इनका परिवार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, जिन्हें 1857 में स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने के कारण अंग्रेजों ने झज्जर,दादरी व फरुर्खाबाद के नवाबों तथा 17 सिपाहियों के साथ दिल्ली के चांदनी चौक में फांसी पर लटका दिया था का वंशज था। मीर सिंह के पिता बादाम सिंह राजा नाहर सिंह के परिवार के सदस्य थे जो 1860 में बुलंदशहर के भटोना ग्राम में आकर बस गए थे। मीर सिंह कुचेसर रियासत के जमीदार के 5 एकड़ के बटाईदार थे। जमीदार द्वारा जमीन वापस लेने के कारण इन्हें नूरपुर छोड़ना पड़ा। पहले मेरठ के पास भूपगढी व बाद में भदोला में रहने लगे । चौधरी साहब पांच बहन भाइयों में सबसे बड़े थे । प्रारंभिक पढ़ाई के लिए 3 किलोमीटर दूर जानी खुर्द पैदल जाना पड़ता था। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। प्राइमरी के बाद उच्च शिक्षा अपने ताऊ लखपत सिंह की आर्थिक सहायता से प्राप्त की। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे,1919 में गवर्नमेंट स्कूल मेरठ में हाई स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 1923 में आगरा विश्वविद्यालय से बीएससी की। 1925 में इतिहास से एम ए किया। 1927 में मेरठ कॉलेज से एलएलबी करके गाजियाबाद में वकालत शुरू की ।

बचपन से ही चरण सिंह जी को आर्य समाज व उसके संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने बहुत अधिक प्रभावित किया। वे धार्मिक आडंबरों के घोर विरोधी रहे। जीवन पर्यंत गाजियाबाद आर्य समाज के सदस्य रहे। महर्षि दयानंद जी उनके आध्यात्मिक गुरु तथा महात्मा गांधी जी व सरदार वल्लभभाई पटेल जी उनके राजनीतिक गुरु थे । चरण सिंह जी जात पात के घोर विरोधी थे। 18 वर्षों तक उन्होंने एक हरिजन को अपना रसोईया रखा। 1921 में जब वह आगरा कॉलेज के छात्र थे तब इन्होंने अपने हॉस्टल के वाल्मीकि के हाथ का बना खाना खाया ।हरिजनो के लिए सामूहिक भोजन का आयोजन कराया तथा टोली बनाकर गांव के कुओ से उन्हें पानी भरवाया। आगरा बिजलीघर के चौराहे पर चौधरी साहब ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना कराई तथा ग्वालियर रोड का नाम बाबा साहब के नाम पर डॉक्टर अंबेडकर मार्ग रखा। अनुसूचित जाति के सदस्य को पहली बार राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य बनाया।

1929 में चौधरी साहब गाजियाबाद से मेरठ आ गए और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। स्वतंत्रता संग्राम में इन्होंने बढ़ चढ़ कर भाग लिया,तीन बार जेल यात्राएं की। 1930 में नमक सत्याग्रह में 6 माह, 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह में बरेली कारागार में तथा 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में 13 माह जेल में रहे। वे 1937 में पहली बार मेरठ के छपरौली से विधायक बने । कुल मिलाकर आठ बार विधायक तथा तीन बार लोकसभा के सांसद चुने गए । 1967 मे व 1970 में दो बार अल्पकाल के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। 1969 में उनकी पार्टी भारतीय क्रांति दल ने विधानसभा में 98 सीटें तथा 21 % वोट हासिल किया । 1974 में लोक दल का गठन किया। 1977 में जनता पार्टी के गठन में लोक दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 1977 में बनी जनता पार्टी सरकार में चौधरी चरण सिंह देश के गृहमंत्री, वित्त मंत्री तथा 28 जुलाई 1979 को भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

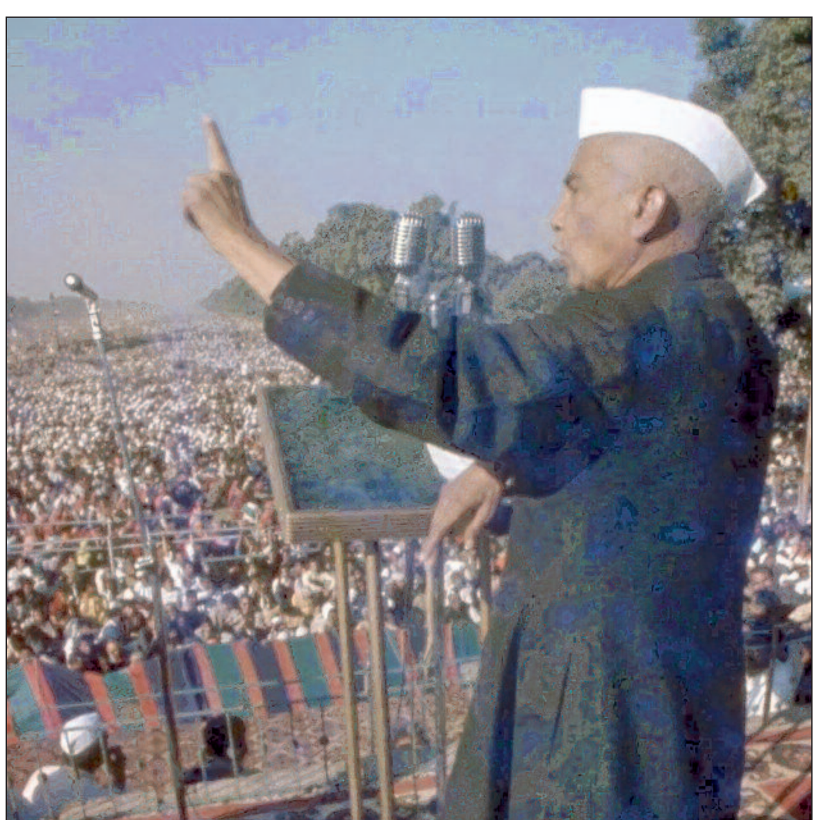

24 दिसंबर 1978 वोट क्लब रैली

उन्हें जमीदारी उन्मूलन, कृषि सुधार तथा ऋण मुक्ति जैसे कई सुधारो के लिए जाना जाता है । किसान, मजदूर व गरीबों के प्रति उनके मन में विशेष स्नेह था । 1937 में पहली बार विधायक बनकर उन्होंने सक्रिय विधायक की भूमिका अदा करते हुए विधानसभा में कृषि उत्पादन एवं विपणन निजी बिल प्रस्तुत किया, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ किसानों, खेतीहर मजदूरों व उनके आश्रितों के लिए सरकारी नौकरियों में 50% आरक्षण का प्रस्ताव किया। सबसे बड़ा ऐतिहासिक कार्य 01 जुलाई 1952 में उन्होंने विधानसभा में जमींदारी उन्मूलन व भूमि सुधार कानून पास करवा कर किया जिसके अनुसार प्रदेश के लाखों भूमिहीन किसानों को लगान का 10 गुना जमा करवाकर जमीन का मालिक बनवाया व जमीदारों से किसानों को मुक्ति दिलाई। किसानो व मजदूरों को बैंकों से ऋण प्राप्ति में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता था । मार्च 1979 में उन्होंने वी शिवरामन कमेटी का गठन किया जिसकी सिफारिश पर 1982 में नाबार्ड का गठन हुआ, जिससे गरीबों को ऋण मिलना आसान हुआ।

इसके अतिरिक्त उन्होंने अनेक उल्लेखनीय कार्य किए, जिनमें प्रमुख हैं .... 17 मई 1939 को ऋण निवृत्ति बिल विधानसभा में पास कराया जिससे लाखों किसान, जमीदारों व साहूकारों के ऋण चंगुल से मुक्त हुए । मार्च 1953 में पटवारी व्यवस्था की जगह लेखपाल व्यवस्था लागू करके किसानों को पटवारियों के शिकंजे से मुक्ति दिलाई । 1953 में ही बिखरी जोत को एक करने के लिए चकबंदी अधिनियम बनाया। 1954 में एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केटिंग बिल विधानसभा में पारित करवाकर किसानों को मंडी में होने वाली लूट से बचाया । किसानों को जोत वही दिलवाई जिससे उनकी भूमि संबंधी रिकार्ड में गड़बड़ नहीं हो सके। नहर की पटरियों पर ग्रामीणों को चलने पर लगी ब्रिटिशकालीन रोक को हटाया। 3.50 एकड़ तक की जोत वाले किसानों का लगान माफ करने का निर्देश दिया । सीलिंग से प्राप्त जमीन भूमिहीन हरिजनो व पिछडे वर्गों में आवंटित की । उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम की बसों में अपर क्लास व लोअर क्लास की व्यवस्था समाप्त कराई । कृषि जिंसों व खांडसारी पर अंतर्राज्य आवाजाही पर रोक हटवाई । पिछड़ी जातियों के हितों के लिए मंडल आयोग की स्थापना की। अल्पसंख्यकों के हित संवर्धन हेतु अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया। पुलिस प्रशासन में सुधारो की दृष्टि से अखिल भारतीय पुलिस आयोग का गठन किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पुलिस आयोग का गठन वर्ष 1902 में हुआ था। 1978 में गृह मंत्री कॉल में ही चौधरी साहब ने कानून बनाया कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भारतीय प्रशासनिक परीक्षाओं में प्रतियोगी,प्रांतीय भाषाओं में भी परीक्षा दे सकते हैं। 197778 के बजट में पहली बार ग्रामीण क्षेत्र के विकास हेतु 40% पैकेज दिया ।

चौधरी साहब ने कई किताबें लिखीं जिनमें अबोलिशन आफ जमीदारी, इंडिया पॉवर्टी एंड इट्स सॉल्यूशन एवं इंडियास इकोनामिक पॉलिसी आदि प्रमुख हैं। चौधरी चरण सिंह में राष्ट्र प्रेम कूट-कूट कर भरा था वह खालिस्तान के कट्टर विरोधी थे। 1959 में उन्होंने कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में पंडित जवाहरलाल नेहरू के सहकारी खेती के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें 19 माह उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल से बाहर रहना पड़ा। उन्होंने पूंजीऔद्योगिकरण,जिसका जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी ने समर्थन किया,का हमेशा विरोध किया इसके मुकाबले कुटीर व लघु उद्योग पर हमेशा जोर दिया ताकि हमारे देश के अधिक से अधिक बेरोजगारों को रोजगार मिले। उनके पांच पुत्री तथा एक पुत्र चौधरी अजीत सिंह जी पैदा हुए जो भारत सरकार में 04 बार कैबिनेट मंत्री बने। चौधरी साहब अधिक समय तक प्रधानमंत्री नहीं रह पाए क्योंकि इंदिरा गांधी जी ने उन पर संजय गांधी पर लगे केस वापस करने का दबाव बनाया जिसे उन्होंने मना कर दिया फलतः इंदिरा गांधी ने समर्थन वापस ले लिया। तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी जी ने उन्हें नई सरकार के गठन तक कामचलाऊ प्रधानमंत्री बने रहने को कहा। 1980 में 41 सांसदों के साथ उनकी पार्टी लोकसभा में दूसरे स्थान पर रही । 29 मई 1987 को दिल्ली में उनका देहांत हो गया वे अपने प्रेरणा स्रोत महात्मा गांधी जी की समाधि के निकट किसान घाट पर पंचतत्व में विलीन हो गए ।

चौधरी चरण सिंह जी आदर्श व्यक्तित्व के धनी राजनीतिज्ञ थे। बचपन से ही कठिन परिश्रम, ईमानदारी,सादा जीवन,मितव्ययिता,देशप्रेम जैसे गुण उनमें कूट कूट कर भरे थे। इतने उच्च पदों पर रहने के उपरांत भी उनके पास अपना मकान, जमीन, बैंक बैलेंस कुछ भी नहीं था । हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन को उज्जवल बनाना चाहिए। आज उनकी राजनीतिक विचारधारा को उनके पौत्र चौधरी जयंत सिंह जी आगे बढ़ा रहे हैं ।

शरीर को जर्जर कर सकती है इस विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीड्स को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला- विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज का आंवला खाने से 600- 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद- ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी- फलों में रोजाान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना 1 कीवी जरूर खाया करें। 1 कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

पपीता- लगभग 1 कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खाने से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती है।

संतरा और नींबू- विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू को भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं। वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ

खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

गोयल ने कनाडा को दिया दोहरी-डिग्री का प्रस्ताव, संबंधों में 'पुनर्संतुलन' पर जोर

टोरंटो में केंद्रीय मंत्री ने कहा, छात्रों के लिए दोहरी-डिग्री व्यवस्था हो

टोरंटो ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान शैक्षिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए कनाडा को दोहरी-डिग्री व्यवस्था शुरू करने का सुझाव दिया है। टोरंटो विश्वविद्यालय में अपने संबोधन में गोयल ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए भारत-कनाडा संबंधों में राजनीतिक पुनर्संतुलन के उपयुक्त समय का भी जिक्र किया। गोयल ने ऐसे कार्यक्रमों पर तेजी से काम करने का सुझाव दिया, जिनमें छात्र एक साल कनाडा में पढ़ाई कर सकें और फिर भारत लौटकर देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कनाडा के युवाओं को भारत आकर यहां हो रहे विकास कार्यों को करीब से देखने का भी आमंत्रण दिया। दोहरी-डिग्री व्यवस्था के तहत छात्र आंशिक पढ़ाई भारत और आंशिक कनाडा में करके दोनों संस्थानों से मान्यता प्राप्त डिग्री पा सकते हैं। इस अवसर पर गोयल ने निवेश आकर्षित करने की अपील करते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने 2047 तक प्रति व्यक्ति आय को 20,000 डॉलर तक पहुंचाने और विनिर्माण-बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश का लक्ष्य बताया। गोयल ने गणितीय गणना के आधार पर अनुमान जताया कि 7 फीसदी की वृद्धि दर बनाए रखने पर भारत की अर्थव्यवस्था अगले 25 वर्षों में लगभग आठ गुना बढ़कर 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी और राज्यों के प्रतिबंध का अधिकार वैध- एससी

कंपनियों पर पिछली तारीख से भारी-भरकम कर का बोझ

नई दिल्ली।

सर्वोच्च न्यायालय ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक बड़ा झटका दिया है। न्यायालय ने गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए जाने वाले दांव के समूचे अंकित मूल्य पर पिछली तारीख से 28 फीसदी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने राज्यों को पैसों वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने का कानून बनाने के अधिकार को भी वैध ठहराया है। इन फैसलों से भारत में बची हुई गेमिंग कंपनियों के संचालन पर गंभीर संकट गहरा गया है। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि यह कर संवैधानिक रूप से वैध है और जीएसटी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। पीठ ने स्पष्ट किया कि फैंटेसी स्पोर्ट्स सहित ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियां, जिनमें अनिश्चित परिणामों पर दांव लगाया जाता है, जीएसटी ढांचे के तहत सट्टेबाजी और जुए की श्रेणी में आती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर करीब 91,684 करोड़ रुपये का कर बकाया है, जो ब्याज और जुर्माने सहित संभावित रूप से दोगुना हो सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को महज मध्यस्थ नहीं माना जा सकता और उनकी गतिविधियां जीएसटी व्यवस्था के दायरे में आती हैं। अदालत ने पिछली तारीख से लागू होने वाले कर संशोधनों को भी वैध ठहराया। गेमिंग कंपनियों ने 28 फीसदी जीएसटी को पिछली तारीख से लागू करने को चुनौती दी थी। इन निर्णयों से उन गेमिंग कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है जो पहले ही अपना कारोबार समेट चुकी हैं या कम कर चुकी हैं।

ईंधन सब्सिडी दुरुपयोग पर सरकार का शिकंजा

औद्योगिक उपभोक्ता खुदरा ईंधन खरीद रहे, डीलर भी कर रहे कालाबाजारी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया संकट पर हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में खुदरा ईंधन के दुरुपयोग और कालाबाजारी के गंभीर मामले सामने आए हैं। इसमें पाया गया कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाले खुदरा ईंधन का लाभ उठा रहे हैं, जिससे तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भारी दैनिक नुकसान हो रहा है। मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की बैठक की कार्यवाही पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह खुलासा हुआ कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाली कीमत का फायदा उठाने के लिए औद्योगिक ईंधन की बजाय खुदरा ईंधन खरीद रहे हैं। इसके साथ ही कुछ डीलरों द्वारा कालाबाजारी के भी मामले सामने आए हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, तेल विपणन कंपनियों और राज्य सरकारों ने जमीनी स्तर पर निगरानी तेज कर दी है और उद्योग संगठनों को भी इस काम से जोड़ा जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक के शेयर लुढ़के, सरकारी एजेंसी को अनुचित भुगतान का आरोप

बैंक ने आरोपों का खंडन किया, आंतरिक नियंत्रण मजबूत होने का दावा

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जब मीडिया रिपोर्टों में महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) नामक एक सरकारी एजेंसी को कथित रूप से अनुचित भुगतान का दावा किया गया। हालांकि, बैंक ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सभी लेनदेन स्थापित मानदंडों के अनुसार हुए हैं।

दिन के अंत में बैंक का शेयर 758.50 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 2.63 फीसदी नीचे था। एक रिपोर्ट के अनुसार बैंक द्वारा की गई एक आंतरिक जांच में पाया गया कि वित्त वर्ष 2024 और 2025 में एमएसआरडीसी को डिफरेंशियल इंटरेस्ट'के रूप में वर्गीकृत विपणन व्यय के माध्यम से लगभग 45 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। किसी भी गलत काम से इनकार करते हुए, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसके पास मजबूत आंतरिक निरीक्षण, लेखा परीक्षा और नियंत्रण प्रक्रियाएं और प्रणालियां हैं। बैंक ने एक बयान में कहा` कि बैंक के स्थापित मानदंडों के अनुसार सभी मुद्दों को निपटाया जाता है। हम चुनिंदा सामग्री के आधार पर कदाचार या जवाबदेही की किसी भी धारणा को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब बैंक में प्रशासन संबंधी सवाल उठे हैं, और पूर्व अंशकालिक अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती ने मार्च में इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जेब से स्वास्थ्य खर्च में बढ़ोतरी, सरकार का अंशदान घटा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 2022-23- लोगों की जेब से खर्च बढ़कर 43.4 फीसद हुआ

नई दिल्ली ।

देश में स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाले कुल व्यय में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन इसमें लोगों द्वारा सीधे अपनी जेब से किया जाने वाला खर्च (आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर- ओओपीई) भी बढ़ा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2022-23 के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय में ओओपीई एक साल में 39.4 फीसदी (2021-22) से बढ़कर 43.4 फीसदी हो गया है। इसी अवधि में, स्वास्थ्य पर सरकार का अंश 48 फीसदी से घटकर 43.7 फीसदी रह गया है। यह पहली बार है जब राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुमानों में ओओपीई में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो बढ़ती लागतों की ओर इशारा करता है। रिपोर्ट बताती है कि कोविड-19 महामारी के बाद पूर्ण रूप से खुलने के पहले साल (2022-23) में स्वास्थ्य, निदान और फार्मास्यूटिकल्स की उच्च लागत और मांग के कारण ओओपीई में यह वृद्धि हुई है।

बीमा क्लेम अब तेज और पारदर्शी, अधिकारियों की सीधी जवाबदेही

आईआरडीएआई सख्त, कंपनियों को 15, 30 और 60 दिन में देना होगा क्लेम अपडेट

मुंबई ।

बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने ग्राहकों की बीमा क्लेम संबंधी परेशानियों को कम करने के लिए कड़े नए नियम लागू किए हैं। अब बीमा कंपनियों को तय समय सीमा में क्लेम निपटाने होंगे और देरी होने पर वरिष्ठ अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की जाएगी। इससे करोड़ों पॉलिसीधारकों को तेज और पारदर्शी सेवा मिलने की उम्मीद है। नए नियमों के तहत, बीमा कंपनियों के एमडी और सीईओ की जिम्मेदारी सीधे ग्राहक सेवा से जुड़ी है। उनका बोनस और अतिरिक्त वेतन अब इस बात पर निर्भर करेगा कि क्लेम कितनी तेजी व पारदर्शिता से निपटाए जा रहे हैं। कंपनियों को हर 15, 30 और 60 दिन में ग्राहकों को क्लेम की स्थिति बतानी होगी, जिससे उन्हें बेवजह कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त पॉलिसी में पता, मोबाइल नंबर या नॉमिनी बदलने जैसे कार्य अब 7 दिनों के भीतर पूरे करने होंगे; देरी होने पर इसे शिकायत माना जाएगा। आईआरडीएआई ने कंपनियों के कामकाज की निगरानी हेतु छह प्रमुख मानदंड भी तय किए हैं, जिनमें क्लेम सेटलमेंट रिकॉर्ड और शिकायत निपटान शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सख्त नियमों से बीमा क्लेम प्रक्रिया आसान और तेज होगी, जिससे ग्राहकों को समय पर भुगतान मिलेगा और कंपनियों पर पारदर्शिता बनाए रखने का दबाव बढ़ेगा।

कल से शुरू फ्लिपकार्ट की 'GRWM GRWMÓ फैशन सेल मे मिलेगा

कंटेंट, कल्चर और फैशन का नया गरम गरम तड़का

नई दिल्ली ।

फ्लिपकार्ट फैशन ने अपने नए और ट्रेंडिंग कैंपेन 'GRWM GRWM' के साथ फैशन शॉपिंग को एक नया अंदाज़ दिया है। त्द्दठ्ठें के बीच लोकप्रिय "Get Read4 With स्ठ्ठ÷ ट्रेंड को भारतीय ट्विस्ट देते हुए फ्लिपकार्ट ने इसे ÷गरम गरम÷ स्टाइल में पेश किया है, जहां फैशन सिर्फ खरीदारी नहीं बल्कि कंटेंट, कल्चर और ह्यद्गद्यद्घ-e&pression का हिस्सा बनकर सामने आता है। 29 मई से 7 जून 2026 तक चलने वाली इस फैशन सेल में ग्राहकों को 10 लाख+ ट्रेंडी स्टाइल्स, 50 से ज्यादा इंटरनेशनल और होमग्रोन ब्रांड्स और कई आकर्षक ऑफर्स मिलेंगे। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि सेल के दौरान 550 मिलियन+ विज़िट्स आने की उम्मीद है, जिसमें त्द्गठ्ठें ग्राहकों की हिस्सेदारी लगभग 50त्न तक हो सकती है। फ्लिपकार्ट फैशन इस कैंपेन के जरिए पारंपरिक End of Season Sale को एक नए, ट्रेंडिंग और कल्चर के हिसाब से बदलने की कोशिश कर रहा है। बैगी जींस, कोरियन ट्राउज़र्स, फ्लोरल ड्रेसेज़, पलाज़ो सेट्स और वायरल फैशन ट्रेंड्स के साथ यह सेल खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। सेल के दौरान LeviÓs, Nike, Puma, Titan, Asics, Red Tape, Safari, Rare Rabbit ¥õÚU The Bear House जैसे बड़े ब्रांड्स पर 90त्न तक की छूट मिलेगी। साथ ही Scratch Cards, SuperCoins और बैंक ऑफर्स भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेंगे। फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसीडेंट कपिल थिरानी ने कहा, ÷आज फैशन की पसंद और नए स्टाइल्स की खोज पर खासकर युवा पीढ़ी के बीच क्रिएटर्स, ऑनलाइन समुदायों और डिजिटल संस्कृति का बड़ा प्रभाव है। 'GRWM GRWM' के जरिए हम पारंपरिक सीज़न एंड सेल को नए रूप में पेश कर रहे हैं, जो इस बात को दर्शाता है कि आज का युवा भारत फैशन को किस तरह देखता और अपनाता है। यह एक ताज़ा, ट्रेंड्स पर आधारित और आज की संस्कृति से जुड़ा खरीदारी अनुभव है। व्यक्तिगत पसंद के अनुसार सुझाव, आकर्षक फैशन डेस्टिनेशंस और बड़े व किफायती ब्रांड्स के चुने हुए विकल्पों के जरिए यह सेल देशभर के ग्राहकों तक नए फैशन ट्रेंड्स पहुंचा रही है। हम भारत के नए ग्राहकों के लिए फैशन को अधिक आसान, प्रासंगिक और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं और यह पहल उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।÷

भारतीय एयरलाइंस ने घटाईं घरेलू उड़ानें, ईंधन महंगा, यात्री कम

एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 10 से 22 फीसदी तक सेवाओं में की कटौती

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख विमानन कंपनियां, एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस, विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों और अपेक्षा से कम यात्री मांग के कारण अपनी घरेलू उड़ानों में अस्थायी रूप से 10 से 22 प्रतिशत तक की कटौती कर रही हैं। यह फैसला पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से बढ़ी परिचालन लागतों और हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के मद्देनजर लिया गया है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार एयर इंडिया जून और जुलाई के लिए अपनी घरेलू उड़ानों में 20-22 प्रतिशत की कटौती करेगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस जून के लिए अपनी घरेलू सेवाओं में 10 प्रतिशत की कमी कर रही है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए घरेलू उड़ानों में 12-15 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है। ये सभी कटौती ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के तहत निर्धारित उड़ानों की तुलना में की गई हैं। एयर इंडिया प्रति सप्ताह लगभग 3,600 घरेलू उड़ानें संचालित करती है, जिसमें 22 फीसदी की कटौती से प्रति सप्ताह 790 से अधिक सेवाएं प्रभावित होंगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की लगभग 2,400 घरेलू उड़ानों में 10 फीसदी से कम का असर होगा। वहीं, इंडिगो, जो प्रति सप्ताह लगभग 13,000 घरेलू उड़ानें संचालित करती है, ने

मांग में कमी और वार्षिक मौसमी समायोजन को भी इस कटौती का कारण बताया है।

एयरलाइंस का यह कदम लागतों को नियंत्रित करने और मौजूदा बाजार परिस्थितियों के अनुकूल होने की रणनीति का हिस्सा है।

एशियाई शेयरों में गिरावट, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स लुढ़का

नई दिल्ली।

ईरान पर यूएस के नए हमले के बाद गुरुवार को एशियाई शेयर गिरे। जबकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स सुबह के कारोबार में भारत के समय के अनुसार, 1 फीसदी तक गिर गए। नैस्डैक फ्यूचर्स 0.9 फीसदी नीचे थे। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.41 फीसदी गिरे और डाउ जोन्स फ्यूचर्स 0.21 फीसदी फिसले, जो बाद में यूएस मार्केट के लिए कमजोर शुरुआत का संकेत देते हैं। यूएस मिलिट्री ने ईरान के खिलाफ डिफेंसिव स्ट्राइक बताया, जिसके बाद एशियाई मार्केट में ज़्यादातर गिरावट देखी गई। एक दिन पहले तेज़ी से गिरने के बाद तेल की कीमतें भी यूएसडी 1 प्रति बैरल से ज़्यादा बढ़ गईं। शुरुआती एशियाई ट्रेड में जापान का निक्केई 225 0.1 फीसदी से कम बढ़कर 65,039.78 पर आ गया, जबकि साउथ कोरिया का कोस्पी 1.2 फीसदी गिरकर 8,126.67 पर आ गया। हॉन्ग कॉन्ग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.9 फीसदी गिरकर 24,855.86 पर आ गया, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.3 फीसदी गिरकर 4,080 पर आ गया।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र रिकॉर्ड निवेश के लिए तैयार, 170 अरब पार होने की उम्मीद

वृद्धि मुख्य रूप से सौर ऊर्जा और तेल शोधन के तीव्र विस्तार के दम पर होगी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का ऊर्जा क्षेत्र 2026 तक रिकॉर्ड 170 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का गवाह बनने वाला है। यह वृद्धि मुख्य रूप से सौर ऊर्जा और तेल शोधन के तीव्र विस्तार के दम पर होगी, क्योंकि देश बढ़ती ऊर्जा मांग व स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है। आईईए की विश्व ऊर्जा निवेश 2026 रिपोर्ट बताती है कि पिछले पांच वर्षों में भारत में ऊर्जा निवेश औसतन 11 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा है। इस दौरान सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) में 25 प्रतिशत और तेल शोधन में 23 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। शोधन क्षेत्र में मजबूत निवेश से भारत 2030 तक अपनी क्षमता में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की ओर अग्रसर है। हालांकि, 2020 के बाद से तेल और गैस के अपस्ट्रीम क्षेत्र में निवेश औसतन सात प्रतिशत प्रतिवर्ष घटा है। इसके विपरीत, भारत कोयला आपूर्ति में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक है, जहां निवेश तीन गुना बढ़कर 2026 में 13 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऊर्जा व्यय में लगभग आधी हिस्सेदारी बिजली क्षेत्र की है। सौर निवेश 20 अरब डॉलर तक पहुंचने के दम पर भारत ने 2025 का गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्य पांच साल पहले ही हासिल कर लिया। अब जीवाश्म ईंधन पर हर एक डॉलर के मुकाबले नवीकरणीय ऊर्जा पर तीन डॉलर का निवेश हो रहा है। देश ग्रिड आधुनिकीकरण और बैटरी भंडारण पर भी खर्च बढ़ा रहा है।

नीति निर्माण को जमीनी रूप, वित्त मंत्रालय का राष्ट्रव्यापी उद्योग दौरा

डीईए के वरिष्ठ अधिकारी बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का भी दौरा करेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने आर्थिक नीति निर्माण को सशक्त बनाने और पश्चिम एशिया संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रबंधन हेतु उद्योग की जमीनी प्रतिक्रिया जानने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया है। वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) इसके तहत देश भर में विनिर्माण इकाइयों और औद्योगिक समूहों का दौरा करेगा। यह पहल आर्थिक नीतियों को वास्तविक समय की जानकारी से जोड़ने और आगामी केंद्रीय बजट प्रस्तावों में साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण को मजबूत करने पर केंद्रित है।

डीईए के वरिष्ठ अधिकारी सूक्ष्म, लघु एवं मझोली विनिर्माण इकाइयों के साथ-साथ बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का दौरा करेंगे। इन दौरों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, नियामकीय अड़चनों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, वित्त तक पहुंच, कौशल की कमी और प्रौद्योगिकी अपनाने जैसी परिचालन एवं नीतिगत चुनौतियों पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना है।

सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में मजबूती के बावजूद, वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, रुपये में कमजोरी और आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा जैसी समस्याओं ने निजी निवेश को असमान बना रखा है। इन समस्याओं की गहराई को समझने के लिए डीईए अधिकतम पांच सदस्यों के दल भेजेगा, जिनकी अगुवाई अतिरिक्त सचिव या संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे।

ये दल विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में दो से तीन दिन का दौरा करेंगे, जिसमें कम से कम दो स्टार्टअप से बातचीत भी शामिल होगी। कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार दलों को विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, रोजगार एवं अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) को कंपनियों और अधिकारियों के बीच बातचीत को सुगम बनाने को कहा गया है।

इन दौरों से प्राप्त विस्तृत क्षेत्रवार रिपोर्ट 10 दिन के भीतर आर्थिक कार्य सचिव को सौंपी जाएंगी, ताकि नीति निर्माण और क्रियान्वयन में सुधार किया जा सके और जमीनी हकीकतों के अनुरूप लक्षित हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सकें।

दिल्ली में बीएंडबी इकाई के लिए नया मसौदा जारी, आठ कमरों की अनुमति का प्रस्ताव

सुरक्षा और स्वच्छता मानकों पर विशेष जोर; 30 दिनों में मांगे गए सुझाव

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आवासीय संपत्तियों में बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) इकाइयों के संचालन के लिए एक नई मसौदा नीति जारी की है। इस नीति के तहत अब निजी घरों में अधिकतम आठ कमरों और 16 बिस्तरों तक की बीएंडबी इकाईयां संचालित करने की अनुमति दी जाएगी, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय निवासियों के लिए आय के नए अवसर पैदा करना है।

दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा जारी मसौदा प्रस्ताव में बीएंडबी इकाइयों को दो मुख्य श्रेणियों- गोल्ड और सिल्वर में वर्गीकृत करने की बात कही गई है। इन इकाइयों का वर्गीकरण कमरे के आकार, उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता और सुरक्षा मानकों के आधार पर किया जाएगा।

गोल्ड श्रेणी के लिए कमरों का न्यूनतम आकार 120 वर्ग फुट और बेहतर सुविधाएं अनिवार्य होंगी, जबकि सिल्वर श्रेणी में 100 वर्ग फुट के कमरे और बुनियादी सुविधाएं पर्याप्त मानी जाएंगी। मसौदा नीति में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सभी बीएंडबी इकाइयों के लिए अतिथि रजिस्टर का रखरखाव, पुलिस सत्यापन और विदेशी मेहमानों से संबंधित नियमों का पालन अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, आग बुझाने का उपकरण, प्राथमिक उपचार किट और आपातकालीन संपर्क विवरण रखना भी आवश्यक होगा। नीति में सीसीटीवी कैमरों को केवल प्रवेश द्वार और सामान्य क्षेत्रों तक सीमित रखने का भी प्रस्ताव है, ताकि मेहमानों की निजता सुनिश्चित की जा सके।

स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए, कमरों और साझा स्थानों की नियमित सफाई, कचरे का उचित पृथक्करण और पर्याप्त खुली हवा सुनिश्चित करनी होगी। परिसर में मालिक या एक केयरटेकर की उपलब्धता भी अनिवार्य रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह नीति केवल आवासीय संपत्तियों पर लागू होगी और इन इकाइयों में रेस्टोरेंट, बार या किसी अन्य व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। इस कदम से पर्यटकों को किफायती और स्थानीय अनुभव वाले ठहराव का विकल्प मिलेगा, जिससे दिल्ली का पर्यटन क्षेत्र मजबूत होगा। इस मसौदा नीति पर हितधारकों और आम जनता से 30 दिनों के भीतर सुझाव मांगे गए हैं, जिसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

होर्मुज व्यवधान के बीच तेल कंपनियों का मुनाफा सामान्य, अप्रत्याशित लाभ नहीं

लक्ष्य 2030 तक शोधन क्षमता को 31 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक तक बढ़ाना

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 77,821 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा संकट-प्रेरित अप्रत्याशित लाभ नहीं, बल्कि सामान्य लाभप्रदता की वापसी को दर्शाता है, जो देश की ऊर्जा सुरक्षा और शोधन क्षमता के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है। विपक्षी दलों की आलोचना वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 130 फीसदी को लेकर रही है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 में लाभ घटकर 33,602 करोड़ रुपए हो गया था क्योंकि ओएमसी ने घरेलू एलपीजी कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए 40,434 करोड़ रुपए का घाटा उठाया था। इस एकमुश्त बोझ को समायोजित करने पर, मौजूदा लाभप्रदता वित्त वर्ष 2023-24 के 80,986 करोड़ रुपए के संयुक्त लाभ के करीब है। करीब 20 लाख करोड़ रुपये के संयुक्त कारोबार पर तीन से चार प्रतिशत का शुद्ध मुनाफा वैश्विक शोधन मानकों के अनुरूप है। उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि यह आय पूंजीगत व्यय, रिफाइनरी उन्नयन और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरी है। लक्ष्य 2030 तक शोधन क्षमता को 31 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक तक बढ़ाना है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि का भी बचाव किया है, यह बताते हुए कि भारत में बढ़ोतरी पड़ोसी देशों से सीमित रही है।

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं।

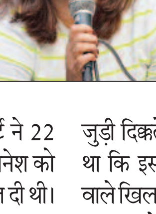

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में आज होगा टाइटंस और रॉयल्स का मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र का क्वालिफायर-2 मुकाबला शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इस मैच में एक भी गलती इन टीमों को भारी पड़ सकती है। इस मैच में शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस पर दबाव रहेगा। इसका कारण है कि पहले क्वालीफायर में गुजरात की बल्लेबाजी असफल रही थी। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की फिल्डिंग बेहद लचर रही जिस कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आसानी से मैच जीत लिया। ऐसे में गुजरात को अगर जीत हासिल करनी है तो उस अपनी फिल्डिंग में सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया था। इस मैच में अब गुजरात को अच्छी फिल्डिंग करने के साथ ही रन भी बनाने होंगे। साई सुदर्शन और शुभमन पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान को विकेट लेने होंगे।

वहीं दूसरी ओर एलीमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने से उत्साहित कप्तान रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेगी। सनराइजर्स के खिलाफ उसके बल्लेबाजों विशेषकर वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। वैभव ने जिस प्रकार 28 गेंदों पर तेजी से 97 रन बनाये थे। उसे मैच राजस्थान की ओर मुड़ गया था। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैभव से निपटना रहेगा। इसके अलावा सनराइजर्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करने वाले जोफ्रा आर्चर से भी गुजरात के बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। आर्चर ने सनराइजर्स के खिलाफ मैच में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के विकेट शुरुआत में ही लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। जिससे टीम अंत तक उबर नहीं पायी थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए थे जिसमें से गुजरात ने 7 जबकि राजस्थान ने 4 जीते है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवान फरेरा, दासुन शनाका, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, यश राज पुंजा।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिद्धू, जेसन होल्डर, राशिद खान, कुलवंत खेजरोलिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

बुमराह हो या कमिंस, किसी के रसूख से नहीं डरता सूर्यवंशी : ध्रुव जुरेल

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने साथी वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में भी वह विरोधी गेंदबाज की ख्याति से भयभीत नहीं होता। 15 वर्ष के सूर्यवंशी ने IPL में जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की बखिया उधेड़ी है। मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा की गेंदों पर भी उन्होंने खूब रन बनाए हैं। बुधवार को उन्होंने कमिंस को लगातार तीन छक्के लगाए। सूर्यवंशी के 29 गेंद में 97 रन की मदद से रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाई। जुरेल ने कहा, 'वैभव के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह कुछ योजना बनाकर नहीं खेलता क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और उसे खुद पर भरोसा है। उसे खुद पर एक पल को भी संदेह नहीं होता कि वह ऐसा नहीं कर सकेगा।' इस सत्र में छह अर्धशतक जमा चुके जुरेल ने कहा, 'जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमसे कहा जाता है कि गेंदबाज को नहीं, गेंद को देखो। 17 बरस की उम्र में हम हमेशा गेंदबाज को देखते हैं कि यह इतना बड़ा गेंदबाज है लेकिन वैभव सिर्फ गेंद को देखता है। वह किसी गेंदबाज की परवाह नहीं करता।'

आईपीएल2026 : वैभव सूर्यवंशी ने 97 रनों की रिकॉर्ड पारी के साथ हासिल की ऑरेंज कैप

न्यू चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्य के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 29 गेंदों में 97 रनों की रिकॉर्ड पारी खेल कर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में एक बार फिर स ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ने बुधवार की रात 12 छक्के लगाते हुए एक IPL सीजन में सर्वाधिक छक्कों का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह गेल के सबसे तेज IPL शतक (30 गेंद) के रिकॉर्ड को भी तोड़ने के बेहद क़रीब थे लेकिन 29वीं गेंद पर ही 97 रन बनाकर आउट हो गए।

सूर्यवंशी अब 680 रनों के साथ ऑरेंज कैप टेबल में शीर्ष पर हैं। जो दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस साई सुदर्शन से 28 रन अधिक हैं। तीसरे स्थान पर जीटी के कप्तान शुभमन गिल हैं तो वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रनों के साथ छठे स्थान पर हैं। ध्रुव धुरेल ने एसआरएच के खिलाफ 21 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली जिसके बाद उनके 508 रन हो चुके हैं और वह 11वें स्थान पर आ गए हैं। SRH के हाइनरिक क्लासन (624 रन), इशान किशन (602 रन) और अभिषेक शर्मा (563 रन) ने तीसरे, पांचवें और आठवें स्थान पर रहते हुए सीजन समाप्त किया है।

पर्पल कैप तालिका में की बात की जाए तो इस सीजन कई मौको पर जोफ्रा आर्चर ने अपनी गेंदों से सबको आश्चर्य में डाला है। पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से आर्चर ने अलग ही खौफ पैदा किया है। त्रक्रको पिछले दो मैचों में लगातार जीत ही हासिल करनी थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आर्चर ने 17 रन देकर तीन विकेट निकाले। SRH के खिलाफ उन्होंने 58 रन दिए लेकिन तीन विकेट भी हासिल किए। आर्चर के महंगे होने पर इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन्होंने तीनों बड़े विकेट निकाले और सब पावरप्ले में ही लिए।

आर्चर अब 24 विकेट इस सीजन ले चुके हैं। उनसे आगे दो ऐसे गेंदबाज़ हैं जो अब भी और विकेट हासिल कर सकते हैं। त्रष्टक्र के भुवनेश्वर कुमार और जीटी के कगिसो रबाडा दोनों के नाम 26 विकेट हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रॉयल्स टीम की इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

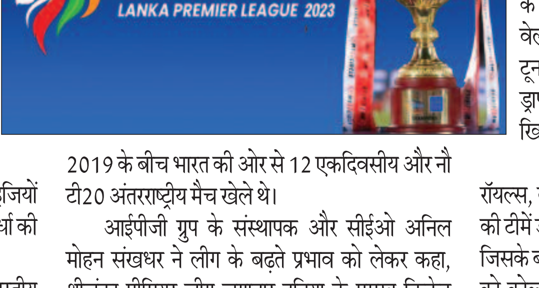

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की आरे से कहा गय कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और स्क्क के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एससी जाफना किंग्स, कैंडी रॉयल्स, दांबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमें डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस लीग में दांबुला सिक्सर्स के लिए रीजा हेंड्रिक्स (दक्षिण अफ्रीका) और दिनेश चांदीमल (श्रीलंका); गाले गैलेंट्स के लिए ईशान मलिंगा (श्रीलंका) और दासुन शनाका (श्रीलंका); तथा कोलंबो कैप्स के लिए कुसल मेंडिस (श्रीलंका) और कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका) शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के होने से से सत्र रोमांचक होना तय है।

सिंधू और लक्ष्य सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिंगापुर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए। सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी। अमरोहा के लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरूष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी अंतिम आठ में पहुंच गए जिन्होंने जापान की युता वातानाबे और माया तागुची को 8-21, 21-17, 21-16 से मात दी। अब उनका सामना कोरिया के किम जाए हियोन जांग और हा जियोंग तथा मलेशिया के चेन तांग जिये और तोह ई वेइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। प्रणय आखिरी गेम में बुरी तरह पिछड़ गए और 61 मिनट तक चले मैच में घरेलू दावेदार लोह कीन यू से 18-21, 21-16, 15-21 से हार गए।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी। दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

आईपीएल 2026 में लीग स्तर पर ही बने कई नये रिकार्ड

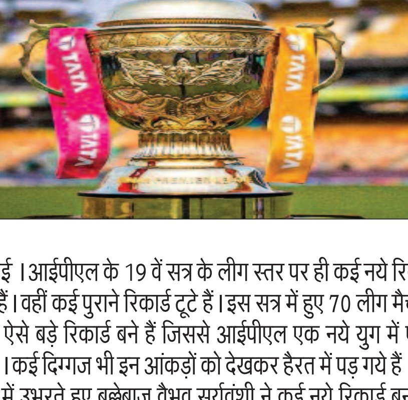

मुम्बई। आईपीएल के 19 वें सत्र के लीग स्तर पर ही कई नये रिकार्ड बने हैं। वहीं कई पुराने रिकार्ड टूटे हैं। इस सत्र में हुए 70 लीग मैचों में पांच ऐसे बड़े रिकार्ड बने हैं जिससे आईपीएल एक नये युग में पहुंच गया। कई दिग्गज भी इन आंकड़ों को देखकर हैरत में पड़ गये हैं। इस सत्र में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कई नये रिकार्ड बनाये। आक्रामक बल्लेबाजी से बड़े-बड़े गेंदबाजों को नाकाम कर दिया। वैभव ने लीग स्तर के 14 मैचों में ही कुल 583 रन बना दिये थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने एक सत्र में 500 से अधिक रन बनाए हैं। वैभव ने 53 छक्के लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह एक सत्र में 500 रन और 50 छक्कों का आंकड़ा हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। व्यक्तिगत चमक में चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने भी इतिहास रचा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह पिछले तीन सालों में इस रिकॉर्ड की पहली बराबरी है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के दिये 264 रनों के विशाल लक्ष्य को भी इस सत्र में पंजाब किंग्स ने 265 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस सीजन में रनों की ऐसी बाढ़ रही कि 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा। पिछले साल 2025 में जहां पूरे टूर्नामेंट में 52 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बना था, वहीं आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के 70 मैचों के दौरान ही यह आंकड़ा 61 तक पहुंच गया। इसस अब आईपीएल मुकाबले हाई-स्कोरिंग हो गये हैं। इसके अलावा, बल्लेबाजों ने 14 शतक लगाकर साल 2024 के में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को आगामी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के लिए अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। यह महिला टी-20 विश्व कप का लगातार तीसरा एडिशन होगा जिसमें पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों पैनल होगा, जिसमें कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी सभी 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में अपने टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों का यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाने के ICC की प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम इन अधिकारियों की प्रोग्रेस और ICC CWC 2025 के दौरान उनके द्वारा दिखाए गए ऊंचे मानकों को देखकर बहुत खुश हैं। जैसे ही हम दुनिया के सबसे बड़े महिला स्पोर्टिंग प्रतियोगिता को आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, यह चयन इस एथलेटिक स्पर्धा को और बढ़ाएगा।'

टी20 विश्व कप के 33 मैचों में कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी इस्तेमाल किए जाएंगे जिसमें 2024 एडिशन से मैच अधिकारियों की टीम के 9 सदस्य आने वाले इवेंट के लिए वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं क्योंकि वह टूर्नामेंट में अपनी छठी उपस्थिति के लिए तैयार हो रही हैं, उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है, जबकि जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन - जिन्होंने इस स्टेज पर 19-19 मैचों की देखरेख की है - इंग्लैंड और वेल्स में पांच टी-20 विश्व कप के माइलस्टोन तक पहुंचेंगी।

मैच रेफरी में तीन रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं - शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा जो 2024 एडिशन का भी हिस्सा थे। चार रेफरी के ग्रुप को न्यूजीलैंड से टुडी एंडरसन पूरा करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

पर्थ। अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिशों में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में शुक्रवार को उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपनी स्थिति और मजबूत करना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में नवनीत कौर के गोल पर बढ़त बना ली थी लेकिन एबी विल्सन के दो गोल के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 2.1 से जीत दर्ज की। भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4.2 से जीता जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1.1 से बराबर था। कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए चानू पुखरामबम के गोल के दम पर वापसी की थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने ओलिविया डोनेस के गोल की बदौलत दसवें मिनट में ही बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने अब तक डिफेंस और मिडफील्ड में काफी प्रभावित किया है। कोच मारिन हालांकि अपने स्ट्राइकरों को गोल करते देखना चाहते हैं। कप्तान सलीमा टेटे जबर्दस्त फॉर्म में दिख रही है। भारत की नजरें पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करने पर भी लगी होंगी। विश्व रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया इस समय आठवें और भारत नौवे स्थान पर है। आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप की तैयारी के लिये यह श्रृंखला काफी अहम है। इसके बाद नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक विश्व कप भी खेला जाना है। नेशंस कप के जरिये भारतीय टीम 2026-27 सत्र के लिए FIH प्रो लीग में वापसी करना चाहेगी जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का हॉकी क्वालीफायर भी है। फाइनल मैच शनिवार को होगा।

SRH का खेलने का तरीका तारीफ के काबिल है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है : मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व हेड कोच टॉम मूडी ने कहा कि टीम का बैटिंग पर ज्यादा जोर देने का तरीका और उनका खेलने का कुल मिलाकर अंदाज 'तारीफ के काबिल है।' फिर भी इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी बॉलिंग यूनिट में और ज्यादा निवेश करना चाहिए।

मूडी की ये टिप्पणियां तब आईं जब स्त्रा को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम पॉइंट्स टेबल पर तीसरी सबसे बेहतरीन टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। बड़े रन बनाने के लिए SRH ने अपने बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन (624 रन), ईशान किशन (602 रन), अभिषेक शर्मा (563 रन) और ट्रैविस हेड (410 रन) पर बहुत ज्यादा भरोसा किया।

बॉलिंग में ईशान मलिंगा (20 विकेट) और साकिब हुसैन (15 विकेट) सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें जगाईं। लेकिन मूडी ने बॉलिंग लाइन-अप में बड़े नामों की कमी की ओर इशारा किया, सिवाय पैट कमिंस के, जिन्हें 2024 में 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

मूडी ने कहा, 'यह एक तारीफ के काबिल तरीका है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे खुद को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब बॉलिंग की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप बैटिंग यूनिट के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत बॉलिंग यूनिट बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो उस बैटिंग को सहारा दे सके।' उन्होंने कहा, 'यह (सब कुछ) संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि RCB (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) ने यही किया है। उन्होंने सही संतुलन बनाया है। इसलिए मैं इस तरीके के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन जब आप सैलरी कैप और बाकी सब चीजों की बात करते हैं, तो आपको संतुलन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।'

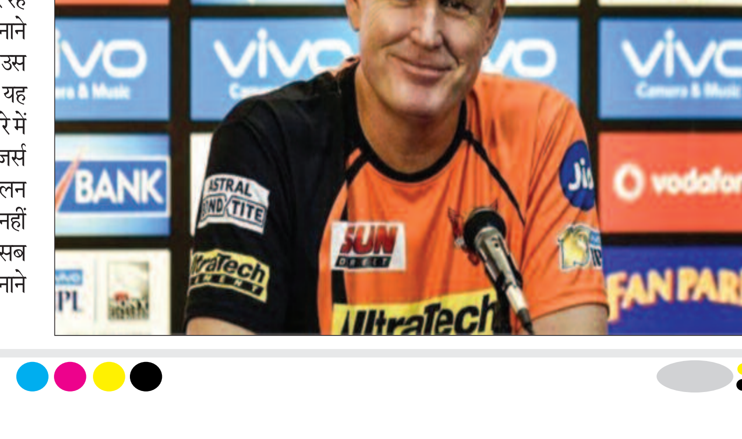

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3903

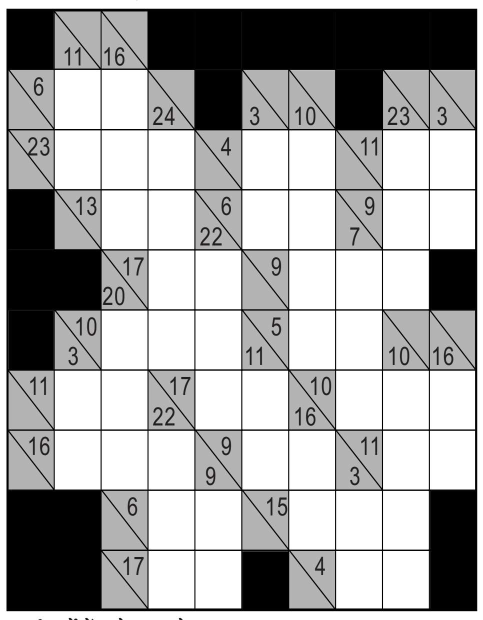

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

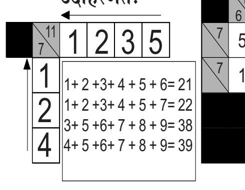

काकुरो - 3902 का हल

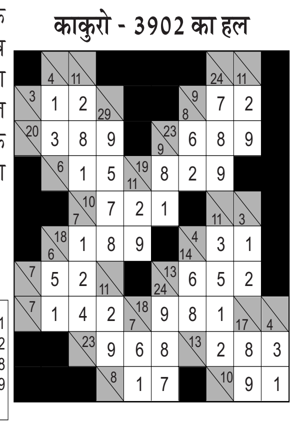

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूं.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3903

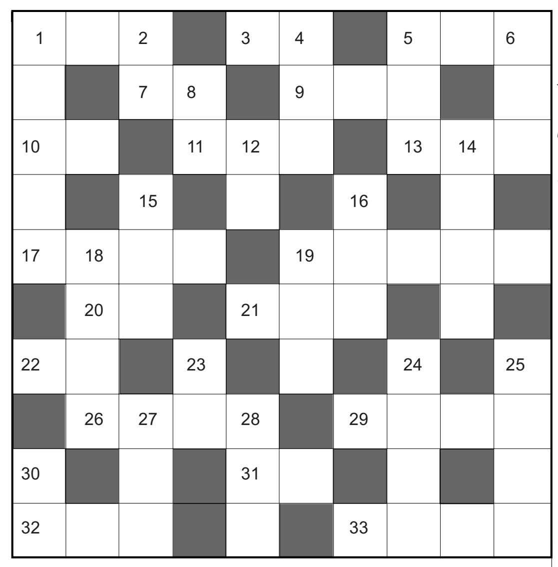

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3902

सूडोकु -3903

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3902 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 3903

बाएँ से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह. शक्ति-2
3. बिना बाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी-2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम-3
13. गंगा का पानी-4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन-4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली -3902 का हल

ब्राइडल लहंगे का सिलेक्शन

अब वो जमाना तो रहा नहीं कि मां अपनी बिटिया के लिए बड़े अरमानों से 16 कलियों का लहंगा बनवाती थी। आजकल तो डिजाइनर लहंगों का जमाना है और लहंगों का चुनाव भी कॉम्प्लेक्शन और बॉडी शेप के अनुसार किया जाने लगा है।

कॉम्प्लेक्शन के अनुसार लहंगे का चुनाव

गोरी त्वचा

अगर आपका कॉम्प्लेक्शन गोरा है तो आप पर हर रंग जंचेगा। आप खासकर सॉफ्ट पेस्टल शेड्स, जैसे पीच, पिंक, फिरोजी, सॉफ्ट ग्रीन में बेहद खूबसूरत लगेंगी। बेहतर होगा कि आप गहरे रंगों से बचें।

अगर आपकी रंगत गुलाबी है तो रिसेप्शन के समय आप सिल्वर वर्क के साथ डीप ब्लू या फिरोजी ब्लू रंग पहनें। आप चाहें तो गोल्ड वर्क के साथ एमराल्ड ग्रीन कलर के लहंगे का चुनाव भी कर सकती हैं। सुबह की रस्मों के लिए गोल्ड बेस वर्क के साथ क्रीम गोल्ड या कॉपर के शेड्स का चुनाव कर सकती हैं।

अगर आपका कॉम्प्लेक्शन येलोइश है तो शाम के फंक्शन के लिए मजेंटा, बर्गन्डी और सुबह की रस्मों के लिए सिल्वर वर्क के साथ पर्ल कलर का सिलेक्शन करें।

गेहूंए कॉम्प्लेक्शन के लिए

रिच ज्वेल टोन, एमराल्ड ग्रीन, रूबी रेड, ऑरेंज, रस्ट, नेवी ब्लू, फिरोजी ब्लू-ये सारे रंग आपके लिए ही बने हुए हैं। गोल्डन कॉम्प्लेक्शन पर एंटीक गोल्ड वर्क के साथ मस्टर्ड या कॉपर वर्क के केसरिया ऑरेंज या फिर डीप या रॉयल ब्लू पर सिल्वर वर्क खूबसूरत लगते हैं। थोड़े और गहरे कॉम्प्लेक्शन के लिए गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं।

एक बात का ध्यान रखें कि गेहुंए रंगत पर पेस्टल कलर कम ही अच्छे लगते हैं। अगर सही पेस्टल शेड का चुनाव नहीं किया गया तो दुल्हन का कॉम्प्लेक्शन और डार्क नजर आ सकता है।

सांवला या डस्की कॉम्प्लेक्शन

सांवली रंगत को गॉर्जियस लुक देने के लिए ब्राइट कलर पहनें। सनशाइन येलो, ऑरेंज, लाल, मजेंटा और ब्लू रंग आप पर खूबसूरत लगेंगे। बेज और सफेद भी इस कॉम्प्लेक्शन के लिए अच्छा सिलेक्शन है।

बॉडी शेप के अनुसार लहंगे का चुनाव

परफेक्ट शेप

अगर आप परफेक्ट शेप की हैं तो आप खुशकिस्मत हैं, क्योंकि आप पर किसी भी स्टाइल का लहंगा खूबसूरत लगेगा। जो भी लहंगा-स्टाइल इन है, आप उसे आजमा सकती हैं। वैसे स्लिम फिट लहंगा आप पर बेहद खूबसूरत लगेगा।

रॉ सिल्क, ब्रोकेड, जैकार्ड सिल्क-ये सारे फैब्रिक आप पर अच्छे लगेंगे। स्ट्रैपी, वन शोल्डर, ऑफ शोल्डर, डीप बैक-आप चोली के साथ कुछ भी एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। लेकिन अगर आप इन कट्स में कम्फर्टेब महसूस नहीं करती हैं तो आप फुल या हाफ स्लीव का लहंगा भी चुन सकती हैं।

आप पर किसी भी तरह की एम्ब्रॉयडरी अच्छी लगेगी। चुंकि आपका फिगर परफेक्ट है, इसलिए बेहतर होगा कि आप छोटी डिजाइन वाले लहंगा-चोली का सिलेक्शन करें। हाइट थोड़ी ज्यादा दिखानी हो तो खड़ी डिजाइन वाली एम्ब्रॉयडरी का चुनाव करें।

पियर शेप की दुल्हन के लिए

पियर शेप यानी जिन लड़कियों के कमर के ऊपर का हिस्सा तो शेप में होता है, लेकिन कमर के नीचे का हिस्सा काफी हैवी होता है, खासकर हिप्स। आपके लिए ए लाइन लहंगा ठीक रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपके लहंगे में ज्यादा वॉल्यूम न हो वरना आपका निचला हिस्सा और भी हैवी नजर आने लगेगा। स्टिफ की बजाय सॉफ्ट फैब्रिक का चयन करें। अपके फिगर को बैलेंस लुक देने के लिए फुल स्लीव की चोली पहनें या शोल्डर को पैडेड करवा लें।

पतली-लंबी लड़कियों के लिए

लहंगे को खूब सारा वॉल्यूम दें। इससे आपकी पर्सनैलिटी को ग्रेस मिलेगा और आप खूबसूरत नजर आएंगी। पतली-लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक जंचता है, इसलिए आप फैब्रिक की चिंता छोड़ दें। लंबी चोली का चुनाव करने से बचें। इससे आप और भी दुबली नजर आएंगी। दुपट्टा लंबा होना चाहिए। आप अपने लिए लहंगा डिजाइन करवाते वक्त कई सारे मैटेरियल का इस्तेमाल कर सकती हैं रॉ सिल्क, जामवार सिल्क, बनारसी ऑर्गेन्जा और क्रेप टिशू का इस्तेमाल करके आप एलीगेंट फ्लेयरी लहंगा डिजाइन करवा सकती हैं। इसके साथ ब्रोकेड की चोली पहनें। अपनी हाइट को बैलेंस करने के लिए शेडेड टोन इस्तेमाल करें। डीप नेक चोली सिलवाएं। हाई नेकलाइन और लंबी स्लीव का चुनाव कभी न करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

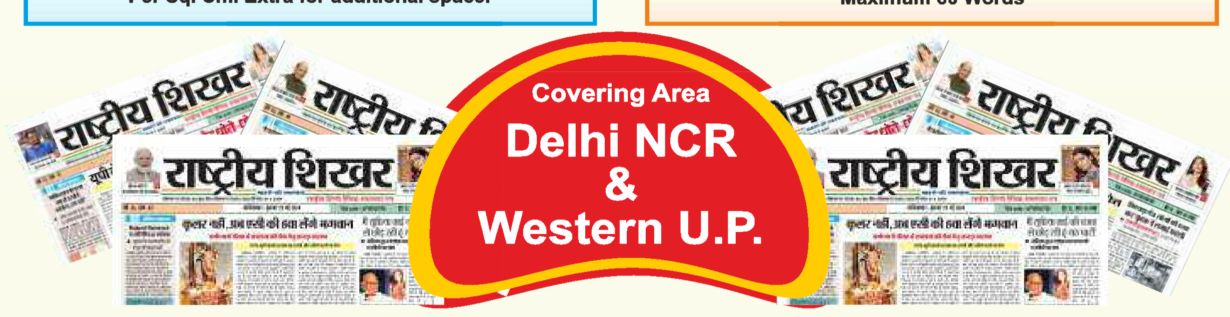

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में बताया

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?'

इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं।

नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है।

बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी 'हतक' से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, ''मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। 'हतक' शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।'' अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, ''सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।'' अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, ''अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।'' उन्होंने कहा, ''समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।''

साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर बोमन ईरानी ने रखी अपनी राय

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, 'सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।'

बोमन ने कहा, 'दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है। अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, 'हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है।' बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए।' 'मुन्ना भाई एमबीबीएस.', '3 ईडियट्स', 'खोसला का घोषला', 'डॉन' और 'पीके' जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

क्या शाहरुख की 'किंग' का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह?

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में 'किंग' की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि 'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह 'किंग' का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान 'किंग' के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

एक्शन-थ्रिलर 'बेनाम' में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं। इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है। माना जा रहा है कि 'बेनाम' एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है।

सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और इंटेंस पक्ष दर्शकों के सामने आएगा। माना जा रहा है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो। हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं। लहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ 'बेनाम' ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है।

मेरी सफलता मेरी खुद की है, जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत में जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।'

लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

आप बेटी की मां हैं? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?

मैं अपनी बेटी को बताऊंगी कि तुम अन्नपूर्णा हो पर शक्ति भी हो। काली का चित्र बेटी को दिखाऊंगी, जिसमें महिषासुर का सिर उनके हाथ में है। ऐसी देवी आपको कहीं नहीं मिलेगी, हिंदुस्तान के अलावा। मेरी प्रेरणा मां काली हैं। मैं अपनी बेटी को भी यह सिखाऊंगी। सिर्फ बेटी की मां नहीं, बेटों की भी। मैं चाहूंगी कि एक दिन ऐसा आए कि जो रेप पीड़िता का नाम हम छिपाते हैं, उनकी गलती थी क्या? आदमियों का नाम ब्लर करना चाहिए।

चैरिटी करने की प्रेरणा कहां से मिली?

अली की जो मामी हैं, उन्होंने पूरे लॉकडाउन में बहुत सारे कारीगरों को नौकरी से नहीं निकाला इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। मुझे लगा कभी भी चैरिटी करने से अच्छा है कि किसी को इतना सक्षम कर दो कि वह अपने परिवार के लिए कमा सके। इसकी अभी शुरुआत हुई है। इसमें छपाई का काम औरत करती हैं और कढ़ाई पुरुष करते हैं। महिला और पुरुष मिलकर काम करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

उ. कोरिया ने छोटी दूरी की मिसाइलों व कई प्रक्षेपास्त्रों को दागा

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने देश के पश्चिमी तट के पास के समुद्र की ओर कई मिसाइलें दागीं हैं। इनमें एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। उसने कहा, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के उत्तरी प्योंग्यान प्रांत के चोंगजू के पास से दागी गईं, जो करीब 80 किमी दूर तक गईं। 19 अप्रैल के बाद उत्तर कोरिया का यह पहला ज्ञात मिसाइल प्रक्षेपण है, जब देश ने कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें टेस्ट कीं। वे क्लस्टर बमों से लैस थीं।

बेल्जियम में ट्रेन से टकराई स्कूल वैन दो छात्रों समेत चार की मौत

बुगेनहाउट , एजेंसी। बेल्जियम के बुगेनहाउट शहर में मंगलवार को रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रेन और स्कूल वैन की टक्कर में दो विशेष जरूरत वाले छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 12 और 15 वर्ष के दो छात्रों, 49 वर्षीय वैन चालक और 27 वर्षीय महिला परिचारिका की जान गई। वैन सात छात्रों को स्कूल लेकर जा रही थी।

कनाडा में जबरन वसूली को लेकर 17 भारतवंशी गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा पुलिस ने दक्षिण एशियाई व्यापारियों और समुदाय को निशाना बनाकर जबरन वसूली, संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में 17 भारतवंशी गिरफ्तार किए हैं। ?पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जबरन वसूली टास्क फोर्स ने स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डराने-धमकाने, धमकियों और हिंसा के एक समन्वित अभियान का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के संबंध फॉर ब्रदर्स नामक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से हैं। आरोपियों में इकबाल सिंह, आकाशदीप सिंह, रविंदर सिंह, जशनबीर सिंह, दिलावरप्रीत, मनदीप सिंह, प्रभदीप सोहल, परतापबीर घुमन, अजयदीप सिंह, नवरूप, राजन, अमृतजोत, जशनप्रीत, गुनीत, सुखविंदर, मोहिंदर व गौतम शामिल हैं। आरोपियों का संबंध 24 घटनाओं से है, जिनमें फॉर ब्रदर्स से जुड़ी 16 हिंसक घटनाएं शामिल हैं।

तिब्बती संस्कृति पर चीन के दृष्टिकोण को दी गई चुनौती

बीजिंग, एजेंसी। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अधीन प्रमुख सांस्कृतिक संस्था तिब्बत प्रदर्शन कला संस्थान (टीआईपीए) ने चीन पर उनकी पहचान को मिटाने और विकृत करने का आरोप लगाया है। उसने चेक गणराज्य में दो दशकों के बाद आयोजित एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन पर चीन को चुनौती दी कि उसका दृष्टिकोण तिब्बती संस्कृति को लेकर गलत है। इस कार्यक्रम में तिब्बत में बीजिंग की नीतियों पर चिंता भी जताई गई। प्राग में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान तिब्बती संगीत, ओपेरा और पारंपरिक नृत्य को यूरोपीय दर्शकों के सामने पेश किया गया।

बांग्लादेश ने आईएमएफ से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की है। आईएमएफ ने कहा कि वह बांग्लादेश के साथ मिलकर आर्थिक सुधारों और नीतियों पर चर्चा कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी इवो क्रजनार ने कहा कि संस्था बांग्लादेश को मजबूत आर्थिक स्थिरता, विकास और वित्तीय सुधारों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि पुराना आईएमएफ कार्यक्रम उस समय तैयार किया गया था, जब देश की आर्थिक स्थिति अलग थी। अब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू हालात बदलने से कई सुधारों को लागू करना कठिन हो गया है।सरकार ने साफ किया है कि वह सुधारों से पीछे नहीं हट रही, बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना चाहती है। फरवरी में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद यह बड़ा आर्थिक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती महंगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईएमएफ का नया कार्यक्रम बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

ट्रंप प्रशासन को झटका: फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला

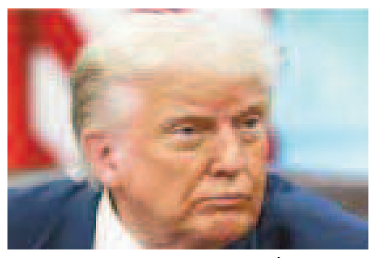

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए झटका माना जा रहा है। अमेरिका के स्थायी निवासी खलील को साल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के कारण अप्रवासन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अमेरिकी सरकार ने दलील दी थी कि खलील की मौजूदगी देश की विदेश नीति के हितों के लिए नुकसानदेह है।

क्या है पूरा मामला : कई महीनों तक हिरासत में रहने के बाद न्यूजर्सी की एक संघीय अदालत ने खलील को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सरकार की कार्रवाई असंवैधानिक थी। इसके बाद यूएस थर्ड अपीलीय सर्किट कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि न्यूजर्सी के जज को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था और मामला पहले इमिग्रेशन अदालतों में चलना चाहिए। हालांकि मंगलवार को अपीलीय अदालत ने अपने फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी, ताकि खलील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

गर्मियों के अंत में दायर की जाएगी याचिका : खलील की पैरवी कर रहे अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एष्टरु) के वरिष्ठ वकील ब्रेट मैक्स कॉफमैन ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग करेंगे कि सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए हिरासत और निर्वासन की धमकी का इस्तेमाल नहीं कर सकती।' सुप्रीम कोर्ट में अपील आने वाले महीनों में, संभवतः गर्मियों के अंत तक, दायर की जा सकती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस फैसले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, अब तक 555 बच्चों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे 15 मार्च 2026 से अब तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से इनमें से एक मौत की पुष्टि खसरे की वजह से की गई है, जबकि बाकी नौ मामलों को संदिग्ध माना गया है। ढाका डिवीजन में संदिग्ध मौतों की संख्या सबसे अधिक रही है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 1,083 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 66,023 तक पहुंच गई है। इसी अवधि में 53 नए पुष्टि किए गए मामले भी दर्ज हुए, जिसके बाद कुल पुष्टि मामलों की संख्या 8,772 हो गई है। 15 मार्च से अब तक 52,530 संदिग्ध मरीजों (बच्चों) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 48,800 ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में देशव्यापी आपातकालीन खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 6 महीने से 5 साल तक के लगभग 18 मिलियन बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और टीका और प्रतिरक्षा के लिए गठित वैश्विक गठबंधन (जीएवीआई-गावी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के असर से आने वाले कुछ हफ्तों में स्थिति नियंत्रण में आने की उम्मीद है और मरीजों की संख्या में गिरावट आएगी।

हाल ही में यूनिसेफ ने दावा किया कि अंतरिम सरकार के दौर में उन्होंने बार-बार चेताया था कि अगर उचित कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। प्रेस वार्ता में बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान 10 बैठकों में भी यह मामला उठाया गया था।

होर्मुज में अमेरिकी हमले से तनाव

ईरान ने दी इजरायल को मिटाने की बड़ी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता के बीच हालात फिर से बहुत ज्यादा विस्फोटक और तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका ने होर्मुज और बंदरअब्बास इलाके में ईरानी नौसेना की नावों और मिसाइल ठिकानों को अपना सीधा निशाना बनाया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने बेहद आक्रामक बयान देते हुए अपनी गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस नए हमले के बाद इजरायल का दुनिया के नक्शे से मिटना अब पूरी तरह से तय है।

ईरान की इस खतरनाक धमकी को वेस्ट एशिया में संभावित बड़े सैन्य टकराव की एक बहुत ही गंभीर चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस भयंकर हमले के कुछ घंटे पहले ही ईरान के साथ शांति की उम्मीद जताई थी। लेकिन अचानक हुए इस बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक नए और भयानक महायुद्ध की गहरी चिंता में डाल दिया है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका को करारा जवाब देकर उसका खतरनाक मकसद पूरी तरह से नाकाम कर दिया है।

अमेरिकी सेना का स्पष्टीकरण

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को बहुत ज्यादा और सीधा खतरा हो सकता था। इसी गंभीर खतरे को तुरंत रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना ने यह कड़ा और बहुत ही अहम सैन्य कदम उठाया है। सेना ने स्पष्ट कहा कि युद्धविराम के दौरान भी अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हमेशा रहेगी।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इसे युद्धविराम का सीधा उल्लंघन बताया है और बहुत कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने फारस की खाड़ी में घुसपैठ करने वाले एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है। ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय है और वह अमेरिका के रूक्त-9 रीपर ड्रोन पर बड़ी कार्रवाई कर चुका है।

अमेरिकी जहाजों पर फायरिंग

ईरान ने यह भी बड़ा दावा किया है कि उसने अमेरिका के निगरानी ड्रोन और स्टील्थ फाइटर जेट पर भी लगातार फायरिंग की है। इस भारी फायरिंग के बाद अमेरिकी विमानों को अपनी जान बचाकर पीछे हटने के लिए पूरी तरह से मजबूर होना पड़ा है। ईरान ने साफ कहा है कि यदि अमेरिका ने फिर हमला किया तो इस बार उनका जवाब पहले से बहुत ज्यादा गंभीर होगा।

ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेखरची ने कहा कि हमने अपने सभी जरूरी टारगेट तय कर लिए हैं और हम युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान को तेल निर्यात से रोका गया तो पूरे क्षेत्र से तेल सप्लाई हमेशा के लिए रुक जाएगी। ईरान ने यह भी दोहराया कि रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट पर केवल उसी का नियंत्रण हमेशा के लिए पूरी तरह से बना रहेगा।

वाशिंगटन की पेपर मिल में बड़ा हादसा

केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के लॉन्गव्यू शहर में एक पल्प और पेपर मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सोशल मीडिया पर जारी एक संयुक्त बयान में निप्पॉन डायनाववे पैकेजिंग कंपनी और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि टैंक फटने की वजह से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ की जान चली गई। हालांकि, अब तक मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई गई है। स्थानीय पुलिस, फायर विभाग और कंपनी अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार सुबह निप्पॉन डायनाववे पैकेजिंग फैक्ट्री में व्हाइट लिकर नाम के केमिकल वाला टैंक फट गया। यह केमिकल कागज बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होता है।

वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने सोशल मीडिया पर हादसे में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया और कहा कि राज्य के इकोलॉजी विभाग की टीमों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा, 'मेरी टीम और मैं लॉन्गव्यू में हुए इस बड़े केमिकल विस्फोट की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हमारे राज्य के इकोलॉजी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि इस हादसे में लोगों की जान गई है। मेरी संवेदनाएं कर्मचारियों, उनके परिवारों और राहत-बचाव में लगे लोगों के साथ हैं।'

लॉन्गव्यू फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि वह निप्पॉन डायनाववे फैक्ट्री में हुए खतरनाक केमिकल हादसे पर काम कर रहा है। केमिकल ट्रीटमेंट वाले बड़े टैंक के फटने से कई लोग झुलस गए और घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से इलाके से दूर रहने को कहा गया है, ताकि राहत और बचाव का काम आसानी से चल सके। यह फैक्ट्री वाशिंगटन और ओरेगन की सीमा के पास कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। वाशिंगटन स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी के अनुसार, यहां क्राफ्ट पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। फिलहाल हादसे की वजह की जांच की जा रही है।

आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

यह हादसा लॉन्गव्यू इलाके में स्थित निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की मिल में हुआ। कंपनी और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त बयान में बताया कि एक बड़े केमिकल टैंक में अचानक विस्फोट जैसा दबाव बना और वह अंदर की तरफ धंस गया। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। हालांकि मरने वालों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि कई लोगों को जहरीली गैस के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई।

बेल्जियम में स्कूल बस की ट्रेन से भीषण टक्कर, कई लोगों की मौत से मचा हड़कंप

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में ट्रेन ने एक स्कूल बस को तेज टक्कर मारी है। इस भीषण हादसे में बस में सवार स्टाफ और बच्चों में से कई लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा सेथानीय समय के अनुसार, सुबह 8.15 मिनट पर हुआ है। बता दें कि जब ट्रेन गुजर रही थी तो फाटक बंद था और लाल बत्ती जल रही थी। फिलहाल, ट्रेन के यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और इमरजेंसी सर्विस मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरी बेल्जियम में सात बच्चों को ले जा रही एक स्कूल मिनीबस को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। बता दें कि बुगेनहौट गांव में एक लेवल क्रॉसिंग पर टक्कर के बाद बस में सवार कई लोगों की मौत हो गई है।

एक पुलिस प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिनीबस में सात बच्चे, एक सुपरवाइजर और एक ड्राइवर सवार थे। बेल्जियम पुलिस ने फिलहाल इस घटना में मौतों की संख्या कन्फर्म करने से मना कर दिया है। स्पोक्सपर्सन फ्रेडरिक सैक्रे ने कहा कि टक्कर बहुत ज़ोरदार थी और मौत का आंकड़ा बहुत ज्यादा है।यूरोपीय यूनियन चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हादसे पर अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज, यूरोप बेल्जियम के दुख में साथ खड़ा है। बेल्जियम के गृह मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन ने भी इस हादसे को लेकर एक्स पर लिखा कि मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं और मैं घायलों के साथ खड़ा हूं।

बीपी ने चेयरमैन को हटाया, कंपनी में फिर बढ़ा विवाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की बड़ी तेल कंपनी बीपी ने अपने चेयरमैन अल्बर्ट मैनिफोल्ड को अचानक पद से हटा दिया है। कंपनी ने कहा कि उनके कामकाज, निगरानी और व्यवहार से जुड़े गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीपी बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से इयान टायलर को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। अल्बर्ट मैनिफोल्ड को पिछले साल अक्तूबर में चेयरमैन बनाया गया था।

इससे पहले वह निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी सीआरएच के प्रमुख रह चुके हैं। बीपी ने उन्हें कंपनी में बड़े बदलाव लाने के लिए चुना था। हालांकि हाल के महीनों में कंपनी की नीतियों को लेकर शेयरधारकों और पर्यावरण समूहों की नाराजगी बढ़ गई थी। बीपी पहले हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन बाद में उसने फिर तेल और गैस कारोबार पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव की काफी आलोचना हुई। कंपनी की कमाई भी प्रभावित हुई है। 2025 में बीपी की आय में 16 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा 86 प्रतिशत तक घट गया।

'अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक': एंटोनियो गुटेरेस

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है।

सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद : गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है।

सुरक्षा परिषद की भूमिका पर उठाए सवाल

गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, 'जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं।'

यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र

महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई।

चुनौतियों से निपटने के लिए तीन-आयामी रणनीति

इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान किया: संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता था: समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)